वर्ष : 34 | अंक : 281 | मुंबई, गुरुवार, 18 दिसंबर 2025 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल | संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

- अजित पवार गुट के मंत्री माणिकराव कोकाटे ने दिया इस्तीफा, विधायकी भी खतरे में
- माणिकराव कोकाटे के पास रहे सभी विभागों की जिम्मेदारी उपमुख्यमंत्री अजित पवार को सौंपी गई

30 साल पुराना फ्लैट घोटाला

जिस मामले ने आज एक मंत्री की कुर्सी हिला दी है, उसकी नींव 30 साल पहले रखी गई थी। यह मामला नासिक के कनाडा कॉर्नर इलाके का है। माणिकराव कोकाटे पर आरोप है कि उन्होंने अपने पद और प्रभाव का दुरुपयोग करते हुए 'मुख्यमंत्री कोटे' से निम्न आय वर्ग के लिए आरक्षित फ्लैट हासिल किया। यह फ्लैट गरीबों के लिए था, लेकिन कोकाटे ने इसे हथिया लिया। उन्होंने अकेले यह काम नहीं किया। इसमें उनके भाई विजय कोकाटे, पोपट सोनावाने और प्रशांत गोवर्धन भी शामिल थे। इन सभी ने मिलकर निर्माण व्यू अपार्टमेंट में नियम कानूनों को ताक पर रखकर फ्लैट्स का आवंटन करवाया। इस घोटाले का खुलासा तत्कालीन राज्य मंत्री तुकाराम दिघोले ने किया था। जब उन्हें इस फर्जीवाड़े की भनक लगी, तो उन्होंने सरकार में शिकायत दर्ज कराई। जिला प्रशासन ने जांच की तो आरोपों को सही पाया।

आखिरकार चली गई कोकाटे की कुर्सी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

अजित पवार गुट के मंत्री माणिकराव कोकाटे ने बुधवार को पद से इस्तीफा दे दिया है. राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के पत्र के संदर्भ में विभागीय बदलाव से जुड़े पत्र को मंजूरी दे दी है. अब माणिकराव कोकाटे के पास रहे सभी विभागों की जिम्मेदारी उपमुख्यमंत्री अजित पवार को सौंपी गई है. राज्य के राजनीतिक परिदृश्य में बुधवार को नाटकीय घटनाक्रम देखने को मिला। राज्य के खेल मंत्री माणिकराव कोकाटे ने मंगलवार को एक मामले में दोषी ठहराया गया। उन्हें दो साल की कैद और जुर्माना सुनाया गया, साथ ही गिरफ्तारी का आदेश भी जारी हुआ। बुधवार को माणिकराव कोकाटे उच्च न्यायालय में पेश हुए और सजा रद्द करने या निलंबित करने का अनुरोध किया। लेकिन कोर्ट ने तत्काल सुनवाई करने से इनकार कर दिया। इसके बाद तय था कि उन्हें अपने मंत्री पद और विधायक पद से इस्तीफा देना पड़ेगा।

मंत्री पद और खाते अजित पवार को सौंपे गए

माणिकराव कोकाटे के पास जितने भी मंत्री पद और विभाग थे, वे सभी रद्द कर दिए गए। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री अजीत पवार की बैठक में चर्चा हुई कि उनके खाते किसे सौंपे जाएं। अंततः सभी विभाग और खाते अजीत पवार को हस्तांतरित कर दिए गए।

स्वास्थ्य कारणों का हवाला

इस बीच माणिकराव कोकाटे ने हाई कोर्ट में पेशी के दौरान स्वास्थ्य संबंधी कारणों का हवाला दिया और चार दिन का समय मांगा। इसके बावजूद उनके मंत्री पद पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा। उन्हें लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया। हाईकोर्ट शुक्रवार को माणिकराव कोकाटे के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई करेगा। कहा जा रहा है कि यदि सुनवाई में आरोप सही पाए गए, तो उनका इस्तीफा औपचारिक रूप से स्वीकार कर लिया जाएगा।

अंजलि राठोड़: वो महिला जिसने मंत्री को झुकाया

इस पूरी कहानी में याचिकाकर्ता अंजलि दिघोल राठोड़ की भूमिका अहम है। वह लगातार इस मामले में कानूनी लड़ाई लड़ती रहीं। जब हाई कोर्ट ने सजा बरकरार रखी, तो कोकाटे के वकील सरेंडर के लिए समय मांग रहे थे। लेकिन अंजलि दिघोल के वकीलों ने कोर्ट में पुरजोर विरोध किया और तत्काल गिरफ्तारी वारंट की मांग की। उनकी दलील थी कि दोषी कितना भी प्रभावशाली क्यों न हो, उसे कानून से छूट नहीं मिलनी चाहिए। कोर्ट ने उनकी दलीलों को स्वीकार किया।

फर्जी कागजात से फ्लैट लेने का है आरोप, सत्र न्यायालय ने बरकरार रखी है सजा

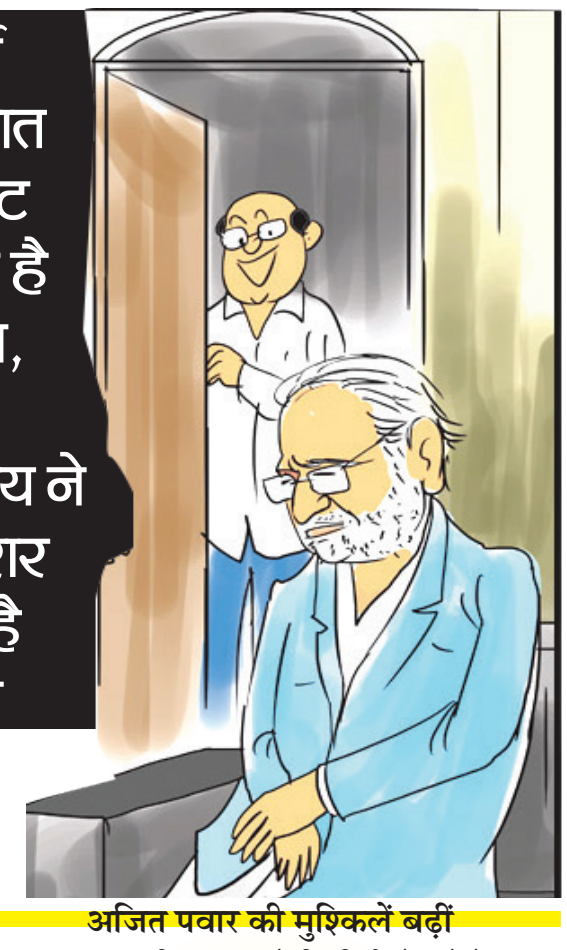

अजित पवार की मुश्किलें बढ़ीं

- यह घटनाक्रम अजित पवार गुट के लिए किसी बुरे सपने से कम नहीं है। कुछ समय पहले ही सरपंच हत्याकांड मामले में नाम आने और विवाद बढ़ने के बाद वरिष्ठ नेता धनंजय मुंडे को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा था। उस समय भी पार्टी की छवि को गहरा धक्का लगा था। अब माणिकराव कोकाटे के मामले ने विपक्ष को बैठे-बिठाए एक और मुद्दा दे दिया है।
- राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि अजित पवार पर नैतिक दबाव बहुत ज्यादा है। एक तरफ आगामी नगर निगम चुनाव हैं, और दूसरी तरफ उनके मंत्रियों पर लग रहे गंभीर आरोप। जनता के बीच संदेश जा रहा है कि सत्ता में बैठे लोग कानून को अपनी जेब में रखते हैं। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि क्या अजित दादा अपने 'चहेते' मंत्री को बचाएंगे या पार्टी की छवि बचाने के लिए उनकी बलि देंगे?

मुंबई में फिर बंद हो जाएगी बाइक टैक्सी!

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

- परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने ली बैठक, आखिरी फैसला 2 दिनों में
- स्टेट ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी करेगी जारी लाइसेंस समीक्षा
- बाइक टैक्सी की सेफ्टी पर अब तक 36 एफआईआर

जल्द ही मुंबई में ऐप-बेस्ड बाइक टैक्सी सेवा बंद हो सकती है। स्टेट ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी (STA) ओला, उबर और रैपिडो को दिए गए टेम्परारी बाइक टैक्सी लाइसेंस रद्द करने पर फैसला करने वाली है। यह कदम मुंबई में बाइक टैक्सी सेफ्टी को लेकर बढ़ती चिंताओं के बाद उठाया गया है। हाल ही में मुंबई और आसपास के क्षेत्रों में बाइक टैक्सी से जुड़ी कई घटनाओं ने सवाल खड़े किए हैं। कल्याण में एक महिला पैसेंजर के साथ छेड़छाड़ की घटना और अन्य हादसे, जिनमें यात्री घायल हुए या अपनी जान गंवाई, इस फैसले की मुख्य वजह हैं।

STA को है अधिकार

स्टेट ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी, जो एडिशनल चीफ सेक्रेटरी (ट्रांसपोर्ट) के अंडर काम करती है, के पास लाइसेंस देने और रद्द करने का कानूनी अधिकार है। मंत्री सरनाईक ने STA को तीनों कंपनियों के टेम्परारी लाइसेंस रद्द करने की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश दिए हैं।

पैसेंजर्स की सुरक्षा को प्राथमिकता

सुरक्षा और ट्रैफिक नियमों का पालन सबसे महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मंत्री सरनाईक ने कहा कि पैसेंजर्स की सुविधा के लिए शुरू की गई सर्विस अब कई बार परेशानी का सबब बन रही है। नियमों का उल्लंघन होने पर कंपनियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

परिवहन मंत्री ने की बैठक

बुधवार को परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने इस मुद्दे पर बैठक ली। बैठक के बाद उन्होंने कहा कि STA अगले दो दिनों में अंतिम फैसला लेगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इस कदम से मुंबई और राज्य में बाइक टैक्सी ऑपरेशन पर बड़ा असर पड़ेगा।

राइडर वेरिफिकेशन और नियमों का उल्लंघन

ट्रांसपोर्ट विभाग ने बताया कि कंपनियां बाइक टैक्सी ड्राइवरों का पुलिस वेरिफिकेशन नहीं करतीं। साथ ही पेट्रोल बाइक के बजाय इलेक्ट्रिक बाइक के बजाय पेट्रोल बाइक के जरिए ऑपरेशन जारी रखने के मामले में अब तक 36 केस दर्ज किए गए हैं।

कंपनियों को चेतावनी मिली थी

अधिकारी ने बताया कि ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट ने कई मौकों पर कंपनियों को चेतावनी दी थी, लेकिन कंपनियों ने इसे नजरअंदाज किया। इससे यह स्पष्ट होता है कि बिना निगरानी और नियमों के पालन के ऑपरेशन से सुरक्षा जोखिम बढ़ गया है।

ई-बाइक को अनुमति

ट्रांसपोर्ट विभाग ने स्पष्ट किया कि केवल इलेक्ट्रिक बाइक को ही लाइसेंस के तहत अनुमति है। पेट्रोल बाइक से चल रही सेवाओं को गैर-कानूनी माना जा रहा है और इन पर कार्रवाई की जा रही है। इससे ऐप-बेस्ड टू-व्हीलर सर्विसेज को बड़ा झटका लग सकता है।

सुपर फ़ास्ट होगी चुनावी प्रक्रिया

- अब नामांकन पर निर्वाचन अधिकारी का फैसला होगा अंतिम
- जिला परिषद व पंचायत समिति चुनावों से जुड़े 1961 के कानून में संशोधन का अध्यादेश मंजूर

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र मंत्रिमंडल ने जिला परिषद और पंचायत समिति चुनावों को समय पर कराने के उद्देश्य से 'महाराष्ट्र जिला परिषद और पंचायत समिति (संशोधन) अध्यादेश 2025' को मंजूरी दे दी है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की अध्यक्षता में हुई बैठक में यह अहम फैसला लिया गया। सरकार का कहना है कि इस अध्यादेश से चुनावी प्रक्रिया में आ रही अड़चनों को दूर किया जा सकेगा और निर्धारित समय सीमा के भीतर चुनाव संपन्न कराना संभव होगा। लंबे समय से लंबित स्थानीय निकाय चुनावों को लेकर यह कदम महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

1961 के कानून में संशोधन

मंत्रिमंडल ने जिला परिषद और पंचायत समिति चुनावों से जुड़े महाराष्ट्र जिला परिषद और पंचायत समिति अधिनियम 1961 में संशोधन के लिए अध्यादेश लागू करने के प्रस्ताव को स्वीकृति दी। इसका मुख्य उद्देश्य चुनावों को समयबद्ध बनाना है।

निर्वाचन अधिकारी का फैसला अंतिम

आधिकारिक बयान के अनुसार, संशोधन के तहत नामांकन पत्रों को स्वीकार या अस्वीकार करने संबंधी निर्वाचन अधिकारियों के निर्णय को अंतिम माना जाएगा। इससे चुनावी प्रक्रिया के दौरान होने वाली कानूनी अड़चनों में कमी आने की उम्मीद है।

अपील की वजह से होती थी देरी

अब तक अधिनियम की धारा 14(2) के तहत उम्मीदवारों को जिला अदालतों में अपील का अधिकार था। कई जिलों में ये अपीलें लंबे समय तक लंबित रहती थीं, जिससे चुनाव समय पर नहीं हो पाते थे।

राज्य निर्वाचन आयोग की सिफारिश

इसी समस्या को देखते हुए राज्य निर्वाचन आयोग ने सरकार से अपील संबंधी प्रावधान हटाने की सिफारिश की थी। सरकार ने आयोग की सिफारिश को मानते हुए यह अध्यादेश लाने का फैसला किया।

सरकार को नियम बनाने का अधिकार

नए अध्यादेश के तहत राज्य सरकार को जिला परिषद और पंचायत समिति चुनावों के लिए आवश्यक नियम बनाने का अधिकार भी मिलेगा। अधिकारियों के अनुसार चुनावी हालात को ध्यान में रखकर उठाया गया है।

सुप्रीम कोर्ट की समयसीमा

सुप्रीम कोर्ट ने राज्य की 336 पंचायत समितियों और 32 जिला परिषदों के चुनाव अगले वर्ष 31 जनवरी तक कराने के निर्देश दिए हैं। कानूनी देरी खत्म होने और चुनाव समय पर पूरे होने की उम्मीद जताई जा रही है।

ब्रीफ न्यूज़

71 कानूनों को समाप्त करने वाले विधेयक को मंजूरी

नई दिल्ली। संसद ने बुधवार को अप्रचलित और पुराने हो चुके 71 कानूनों को समाप्त करने या संशोधित करने के प्रावधान वाले 'निरसन और संशोधन विधेयक-2025 को मंजूरी दे दी। राज्यसभा ने इस विधेयक पर संक्षिप्त चर्चा और कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल के जवाब के बाद इसे ध्वनिमत से पारित कर दिया। लोकसभा इसे एक दिन पहले ही पारित कर चुकी है। उच्च सदन में विधेयक पर हुई मेघवाल ने कहा कि 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद लगातार कानून बनाए जा रहे हैं।

मुंबई में 'हवा' खराब

मुंबई। पिछले कुछ दिनों से मुंबई की वायु गुणवत्ता में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। बुधवार को शहर के अधिकांश हिस्सों में वायु गुणवत्ता सूचकांक (AQI) 'मध्यम' श्रेणी में था, जबकि घाटकोपर और चेंबूर में यह 'खराब' श्रेणी में पहुंच गया। बुधवार को मुंबई का औसत AQI 137 दर्ज किया गया। पिछले कुछ दिनों से तापमान में गिरावट, निर्माण कार्यों से उठती धूल और धूल कणों के कारण वायु गुणवत्ता लगातार खराब हो रही है।

भारत करने जा रहा बड़ा मिसाइल टेस्ट!

एजेंसी | विशाखापत्तनम

भारत सरकार देश की सैन्य ताकत में इजाफा करने के लिए लगातार कदम उठा रही है। बीते कुछ समय से देश में लगातार तेजी से मिसाइल और अन्य स्वदेशी हथियारों का परीक्षण और निर्माण किया जा रहा है। इससे भारतीय सेना की भी सैन्य क्षमताओं में लगातार इजाफा हो रहा है। अब जानकारी सामने आई है कि भारत एक बार फिर से एक अहम मिसाइल का परीक्षण कर सकता है। सरकार ने आगामी 22 से 24 दिसंबर की अवधि के लिए

- बंगाल की खाड़ी में NOTAM घोषित, 3240 किलोमीटर बताई जा रही रेंज

22 से 24 दिसंबर तक नोटिस टू एयरमैन

भारत ने एक बार फिर बंगाल की खाड़ी में विशाखापत्तनम तट के पास एक निर्धारित क्षेत्र के लिए NOTAM (नोटिस टू एयरमेन) जारी किया है। यह अधिसूचना 22 से 24 दिसंबर की अवधि के लिए प्रभावी रहेगी। अधिसूचित परीक्षण क्षेत्र की अनुमानित रेंज लगभग 3,240 किलोमीटर बताई जा रही है। भारत सरकार की और से बंगाल की खाड़ी में जारी किए गए NOTAM को देखते हुए यह संभावना जताई जा रही है। कि इस दौरान किसी अहम मिसाइल का परीक्षण किया जा सकता है। यह गतिविधि समुद्र-आधारित मिसाइल परीक्षण से संबंधित हो सकती है। हालांकि, किसी मिसाइल प्रणाली या प्लेटफॉर्म की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

शरद गुट को कांग्रेस से ज्यादा ठाकरे बंधुओं पर भरोसा

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी (एसपी) मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव में कांग्रेस की बजाय शिवसेना (यूबीटी) और मनसे के साथ गठबंधन करने की इच्छुक है। पार्टी के एक नेता ने यह जानकारी दी। बुधवार को मुंबई में हुई बैठक में पार्टी की चुनावी रणनीति पर चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता एनसीपी (एसपी) के प्रदेश अध्यक्ष शशिकांत शिंदे ने की। एनसीपी (एसपी), कांग्रेस और शिवसेना (यूबीटी) विपक्षी गठबंधन महाविकास आघाड़ी (एमवीए) का हिस्सा हैं। हालांकि पार्टी के ज्यादातर कार्यकर्ताओं का मानना है कि सेना (यूबीटी) और मनसे के साथ गठबंधन करने से पार्टी को ज्यादा फायदा होगा।

पेज 3 भी देखें

सीटों को लेकर नवाब मलिक ने अपनी रिपोर्ट अजित पवार को सौंपी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

आगामी बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) चुनाव को लेकर राकांपा (अजित) में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। इसी कड़ी में पार्टी के वरिष्ठ नेता नवाब मलिक ने मंगलवार को अपने नेताओं के साथ बैठक कर मुंबई की प्रमुख विधानसभा और वार्डों की राजनीतिक स्थिति, संभावित उम्मीदवारों और जीत-हार के समीकरणों का विस्तृत आकलन तैयार किया। बुधवार को इस रिपोर्ट को पार्टी प्रमुख एवं उपमुख्यमंत्री अजित पवार को सौंपा गया। सूत्रों के अनुसार रिपोर्ट में मुंबई में पार्टी की मौजूदा स्थिति, संगठन की मजबूती और विपक्षी दलों की रणनीति पर विस्तार से जानकारी दी गई है।

अजित पवार की समीक्षा और आगे की तैयारी

अजित पवार ने रिपोर्ट को गंभीरता से लेते हुए बुधवार को अपने नेताओं के साथ इस पर चर्चा शुरू कर दी है। माना जा रहा है कि इसी रिपोर्ट के आधार पर मुंबई में चुनावी रणनीति, उम्मीदवार चयन और प्रचार की रूपरेखा तय की जाएगी। आने वाले दिनों में अजित गुट की ओर से मुंबई के लिए बड़े राजनीतिक फैसले लिए जाने की संभावना है।

रिपोर्ट

महाराष्ट्र में बस में आग लगने की सबसे ज्यादा नौ घटनाएं दर्ज

तीन साल में 45 बसों में आग लगने से 64 लोगों की गई जान

एजेंसी | नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने बुधवार को बताया कि पिछले तीन सालों में 10 दिसंबर तक ऑपरेशन के दौरान बसों में आग लगने की 45 घटनाओं में 64 लोगों की मौत हुई, जिसमें राजस्थान में सबसे ज्यादा मौतें हुई हैं। इलेक्ट्रॉनिक डिटेल्ड एक्सीडेंट रिपोर्ट (eDAR) सिस्टम के डेटा के अनुसार, इस दौरान राजस्थान में बस में आग लगने की घटनाओं में कम से कम 45 लोगों की मौत हो गई। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि महाराष्ट्र में बस में आग लगने की सबसे ज्यादा नौ घटनाएं दर्ज की गईं, इसके बाद मध्य प्रदेश में आठ घटनाएं हुईं। राजस्थान, तमिलनाडु और कर्नाटक में भी इसी तीन साल की अवधि में छह-छह बस में आग लगने की घटनाएं सामने आईं।

बस सुरक्षा के लिए सरकार के कदम

सरकार ने कहा कि सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (MoRTH) ने बस सुरक्षा को बेहतर बनाने के लिए कई कदम उठाए हैं, जिसमें 2016 में ऑटोमोटिव इंडस्ट्री स्टैंडर्ड (AIS) 119 नियमों में बदलाव करना शामिल है। नियम के तहत किए गए बदलावों में बसों में कुल 10 किलोग्राम क्षमता वाले दो फायर एक्सटिंग्विशर लगाना शामिल है। एक ड्राइवर के पास और दूसरा पैसेंजर कंपार्टमेंट में 12 मीटर तक लंबी बसों के लिए चार एग्जिट और लंबी बसों के लिए एक अतिरिक्त एग्जिट जरूरी

कुरनूल में हुई थी 25 यात्रियों की मौत

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने आम आदमी पार्टी (AAP) के राज्यसभा सांसद नारायण दास गुप्ता द्वारा ऐसी घटनाओं की बढ़ती संख्या पर पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए राज्यसभा में यह रिपोर्ट पेश की। जवाब में बताया गया कि इन आंकड़ों में हाल ही में हुई एक दुर्घटना शामिल नहीं है, जिसमें 24 अक्टूबर, 2025 को आंध्र प्रदेश के कुरनूल में एक बस की मोटरसाइकिल से टक्कर हो गई और उसके बाद उसमें आग लग गई, जिससे 25 लोगों की मौत हो गई।

मेट्रो 14 पर अगले चार महीनों में शुरू होगा काम : मुख्यमंत्री फडणवीस

अंबरनाथ नगर परिषद चुनाव के प्रचार के लिए अंबरनाथ पहुंचे मुख्यमंत्री

डीबीडी संवाददाता । अंबरनाथ

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस बुधवार को अंबरनाथ नगर परिषद चुनाव के प्रचार के लिए अंबरनाथ पहुंचे। उन्होंने घोषणा की कि कंजूरमार्ग से बदलापुर तक मेट्रो 14 का काम अगले चार महीनों में शुरू होगा। इसके अलावा मेट्रो 5, 12 और 14 से अंबरनाथ और बदलापुर शहरों को बड़ा लाभ होगा और मुंबई महानगर क्षेत्र का विकास भी होगा।

भाजपा पदाधिकारी और नेता उपस्थित

इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण, वन मंत्री गणेश नाइक, विधायक किसान कथोरे, कुमार ऐलानी, सुलभा गायकवाड़, चित्रा वाघ, पूर्व मंत्री कपिल पाटिल सहित भाजपा के कई उम्मीदवार और पदाधिकारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री से भाजपा उम्मीदवार के कार्यालय में हुई गोलीबारी पर कोई टिप्पणी नहीं की गई। उन्होंने स्थानीय शिवसेना उम्मीदवारों और पार्टी की आलोचना करने से भी परहेज किया, जिससे सभी उपस्थित लोग हैरान रहे।

शिवसेना की आलोचना से परहेज

मुख्यमंत्री ने अपने भाषण में स्पष्ट किया कि वह इस अवसर पर किसी की आलोचना करने नहीं आए हैं। उन्होंने शिंदे की शिवसेना का जिक्र करने से परहेज किया और मुख्य रूप से भाजपा के विकास एजेंडे और मेट्रो परियोजनाओं के फायदों पर ध्यान केंद्रित किया।

लोकल ट्रेनों में सुधार

फडणवीस ने कहा कि कल्याण-बदलापुर की तीसरी और चौथी लाइन बनने के बाद हर दस मिनट में एक लोकल ट्रेन उपलब्ध होगी। राज्य सरकार सभी साधारण लोकल ट्रेनों को वातानुकूलित बनाने के लिए 238 रैक की मांग कर रही है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही सभी लोकल ट्रेनें बिना किराया बढ़ाए वातानुकूलित हो जाएंगी।

भाजपा उम्मीदवार पर जोर

अंबरनाथ में भाजपा ने महापौर पद के लिए एक युवा और शिक्षित उम्मीदवार को मैदान में उतारा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह चार्टर्ड अकाउंटेंट उम्मीदवार सभी खातों का हिसाब रखेगी और सभी को जवाबदेह बनाएगी। फडणवीस ने लोगों से अपील की कि भाजपा उम्मीदवारों को जीताकर उनके सपनों को पूरा करें। फडणवीस ने जोर दिया कि न केवल महापौर बल्कि पार्षदों का भी चुनाव होना चाहिए। उन्होंने कहा कि पार्षदों की भूमिका भी शहर के विकास में महत्वपूर्ण है और उन्हें चुना जाना चाहिए।

2 लाख करोड़ की परियोजनाएं चल रही हैं

फडणवीस ने कहा कि पूरे मुंबई महानगर क्षेत्र में 2 लाख करोड़ रुपये की लागत से कई विकास परियोजनाएं चल रही हैं। उन्होंने अंबरनाथ और बदलापुर को मेट्रो नेटवर्क से जोड़ने की योजनाओं का भी उल्लेख किया और कहा कि शहर के लिए उनके कुछ व्यक्तिगत सपने भी हैं।

मध्य रेल की 5 और ट्रेनों में तत्काल टिकट के लिए OTP सिस्टम लागू

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

भारतीय रेलवे द्वारा चरणबद्ध तरीके से लागू की जा रही ओटीपी आधारित तत्काल टिकट बुकिंग प्रणाली के तहत मध्य रेल की 5 और ट्रेनों को शामिल किया गया है। यह नई व्यवस्था 19 दिसंबर 2025 से लागू होगी। इसके अंतर्गत 11029 सीएसएमटी–कोल्हापुर कोयना एक्सप्रेस, 11055 एलटीटी–गोंडा गोदान एक्सप्रेस, 11061 एलटीटी–जयनगर एक्सप्रेस, 11025 पुणे–अमरावती एक्सप्रेस और 12157 पुणे–सोलापुर हुतात्मा एक्सप्रेस में तत्काल टिकट बुकिंग के लिए OTP सत्यापन अनिवार्य होगा।

बुकिंग के समय मोबाइल पर आएगा OTP

नई ओटीपी आधारित प्रमाणीकरण प्रणाली कम्प्यूटरीकृत पीआरएस काउंटर, अधिकृत एजेंटों तथा IRCTC वेबसाइट और मोबाइल ऐप के माध्यम से बुक किए जाने वाले तत्काल टिकटों पर लागू होगी। इस प्रक्रिया के तहत यात्री को बुकिंग के समय दर्ज मोबाइल नंबर पर एक वन-टाइम पासवर्ड (OTP) प्राप्त होगा, जिसका सही सत्यापन होने के बाद ही टिकट जारी किया जाएगा। रेलवे का उद्देश्य इस व्यवस्था के जरिए पारदर्शिता बढ़ाना, दलालों और दुरुपयोग पर रोक लगाना तथा यह सुनिश्चित करना है कि तत्काल कोटा का लाभ वास्तविक यात्रियों तक ही पहुंचे।

न्यूज ब्रीफ

चेन स्नेचिंग में फरार ईरानी आरोपी गिरफ्तार

ठाणे। ठाणे पुलिस आयुक्तालय की भिवंडी क्राइम ब्रांच ने चेन स्नेचिंग के मामलों में फरार ईरानी आरोपी, कल्याण के अंबिवली निवासी 21 वर्षीय अब्बास उर्फ बड़डा सैयद को कर्नाटक से गिरफ्तार किया है। आरोपी लंबे समय से पुलिस को चकमा देकर फरार था, जिसे गोपनीय सूचना के आधार पर दबोचा गया। ठाणे पुलिस आयुक्तालय में पुलिस उपायुक्त अमर सिंह जाधव ने जानकारी देते हुए बताया कि गिरफ्तार आरोपी अब्बास के पास से 232.5 ग्राम के सोने के आभूषण बरामद किए गए हैं, जिनकी कीमत 30 लाख 22 हजार 500 रुपये आंकी गई है। आरोपी को आगे की पूछताछ के लिए पुलिस हिरासत में लिया गया है। भिवंडी क्राइम ब्रांच के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक जनार्दन सोनवाने के मार्गदर्शन में पुलिस उप निरीक्षक रविंद्र बी. पाटील की टीम ने नारपोली पुलिस स्टेशन में दर्ज चेन स्नेचिंग के मामलों की छानबीन कर आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी अब्बास उर्फ बड़डा सैयद के खिलाफ खड़कपुरा पुलिस स्टेशन सहित नारपोली, भिवंडी शहर, शिवाजी नगर, उल्हासनगर, विठ्ठलवाड़ी, मुंब्रा, वर्तकनगर, कपूरबाड़ी और चित्रलसर पुलिस स्टेशनों में कुल 20 चेन स्नेचिंग के मामले दर्ज हैं। ठाणे क्राइम ब्रांच अब आरोपी के अन्य साथियों की तलाश में जुटी हुई है।

उप अभियंता रंगे हाथों रिश्वत लेते गिरफ्तार

रत्नागिरी। कोंकण संभाग के रत्नागिरी जिले के गुहागर में जिला परिषद के सार्वजनिक निर्माण कार्य विभाग के उप अभियंता संजय तुलसीराम सलमाखे को 16 दिसंबर 2025 को 7 हजार रुपए रिश्वत लेते हुए रत्नागिरी एंटी करप्शन ब्यूरो (ACB) की टीम ने रंगे हाथों गिरफ्तार किया। जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता एक निर्माण कार्य ठेकेदार का सुपरवाइजर है। ठेकेदार द्वारा किए गए निर्माण कार्य का पहला बिल मंजूर कराने के लिए शिकायतकर्ता 12 दिसंबर को जिला परिषद के उप अभियंता संजय तुलसीराम सलमाखे के पास गया था। बिल के साथ निर्माण कार्य के फोटो भी संलग्न किए गए थे। उप अभियंता ने बिल स्वीकृत करने के एवज में 7 हजार रुपए रिश्वत मांगे। शिकायतकर्ता ने तुरंत इस बारे में रत्नागिरी एंटी करप्शन ब्यूरो को सूचना दी। इसके बाद 16 दिसंबर को निर्धारित समय पर जब शिकायतकर्ता उप अभियंता को रिश्वत की राशि दे रहे थे, तो एंटी करप्शन ब्यूरो की टीम ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। यह कार्रवाई रत्नागिरी एंटी करप्शन ब्यूरो के पुलिस उप अधीक्षक अविनाश पाटील के मार्गदर्शन में की गई।

नवी मुंबई मनपा चुनाव की तैयारियों की समीक्षा

आयुक्त डॉ. कैलास शिंदे का निष्पक्ष चुनाव पर जोर

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

राज्य निर्वाचन आयोग ने नवी मुंबई महानगरपालिका के सार्वत्रिक चुनाव 2025–26 की घोषणा 15 जनवरी 2026 को की है। चुनाव की घोषणा के बाद महानगरपालिका आयुक्त डॉ. कैलास शिंदे ने विभिन्न प्राधिकरणों, पुलिस विभाग और निर्वाचन अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठकें कर निष्पक्ष, पारदर्शी और शांतिपूर्ण चुनाव संपन्न कराने के निर्देश दिए।

मतदान-मतगणना की तैयारियां

पत्रकार परिषद में आयुक्त ने बताया कि मतदान 15 जनवरी 2026 को सुबह 7.30 से शाम 5.30 बजे तक होगा, जबकि मतगणना 16 जनवरी को सुबह 10 बजे से शुरू होगी। कुल 28 प्रभागों के लिए 1141 मतदान केंद्र बनाए गए हैं, जहां 9.48 लाख से अधिक मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। चुनाव प्रक्रिया के लिए 6275 कर्मचारियों की तैनाती की जाएगी और आचार संहिता के तहत अनधिकृत प्रचार सामग्री हटाने की कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है।

बहु-सदस्यीय पद्धति और जागरूकता पर जोर

आयुक्त डॉ. शिंदे ने राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर चुनाव प्रक्रिया और आदर्श आचार संहिता की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस बार बहु-सदस्यीय पद्धति के तहत प्रत्येक वार्ड से चार सदस्य चुने जाएंगे और मतदाताओं को चार उम्मीदवारों को मतदान करना होगा। इसके लिए व्यापक जनजागृति अभियान चलाने की अपील की गई है।

कौशल एवं लघु उद्यम प्रशिक्षण

250 से अधिक महिलाओं ने कराया पंजीकरण

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

कौशल एवं लघु उद्यम विकास गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 3 दिसंबर को भिवंडी महानगरपालिका और महाराष्ट्र उद्यमिता विकास केंद्र के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। इस पहल के तहत कम पढ़ी-लिखी महिलाओं को रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ने के लिए विभिन्न व्यावसायिक पाठ्यक्रम उपलब्ध कराए जा रहे हैं। इसके लिए भिवंडी मनपा मुख्यालय में पंजीकरण प्रक्रिया शुरू की गई है, जहां बड़ी संख्या में महिलाएं जानकारी लेने और नामांकन कराने पहुंच रही हैं।

लॉजिस्टिक्स संचालन और डेटा एंट्री जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण

महिला कल्याण और उद्यमिता सशक्तिकरण पर केंद्रित इस कार्यक्रम के अंतर्गत महिलाओं को फैशन, आभूषण डिजाइन, ब्यूटी और वेलनेस सेवाएं, खाद्य प्रसंस्करण, हस्तनिर्मित साबुन व मोमबत्ती निर्माण, नैपकिन, गुलदस्ते व सुगंधित उत्पाद, पावरलूम आधारित कौशल, लॉजिस्टिक्स संचालन और डेटा एंट्री जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण दिया जाएगा। पिछले सप्ताह मनपा मुख्यालय के भूतल पर शुरू हुए मार्गदर्शन एवं पंजीकरण अभियान के तहत अब तक 250 से अधिक महिलाओं ने अपना नाम दर्ज कराया है। पंजीकृत महिलाओं को भिवंडी शहर में ही प्रशिक्षण देकर रोजगार और स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे।

स्वच्छ भारत अभियान निधि में भ्रष्टाचार का आरोप

ठेका रद्द कर अनुदान राशि निलंबित करने की मांग

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

स्वच्छ भारत अभियान 2.0 के तहत भिवंडी निज़ामपुर शहर महानगरपालिका को स्वीकृत 2 करोड़ रुपये की निधि के उपयोग में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के आरोप सामने आए हैं। समाजसेवक परमेश्वर अंभोरे ने मनपा आयुक्त और संबंधित विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों को पत्र भेजकर इस मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने की मांग की है।

क्या है मामला ?

गौरतलब है कि स्वच्छ भारत अभियान 2.0 के अंतर्गत फ्लाईओवरों, सार्वजनिक दीवारों और शहर के अन्य स्थानों पर रंगाई व जागरूकता संदेशों के प्रसार के लिए यह निधि दी गई थी। इस कार्य के लिए ग्रीन इंडिया सर्विस प्रोवाइडर प्राइवेट लिमिटेड, छत्रपति संभाजीनगर को 27 अक्टूबर 2025 को ठेका दिया गया था शिकायतकर्ता का आरोप है कि संबंधित कंपनी के मनपा में कार्यरत वरिष्ठ अधिकारियों से करीबी संबंध हैं। इसी कारण वित्तीय परामर्श के बाद नियमों को दरकिनार कर कार्य शुरू किया गया, जो पूरी तरह अवैध और शर्तों के विपरीत है। आरोप के अनुसार, दीवारों की आवश्यक सफाई, ढीले प्लास्टर को हटाने, कीटाणु रहित करने और तकनीकी प्रक्रिया अपनाने के बिना ही रंगाई का कार्य किया जा रहा है। नियमों के अनुसार इस्तेमाल किया जाने वाला पेंट पर्यावरण के अनुकूल और तकनीकी विभाग से अनुमोदित होना आवश्यक था, लेकिन इन शर्तों की अनदेखी की गई।

निविदा प्रक्रिया पर भी सवाल

परमेश्वर अंभोरे ने आरोप लगाया कि इस कार्य के लिए स्वास्थ्य विभाग ने अवैध रूप से निविदा प्रकाशित की। जबकि नियमों के अनुसार परिवहन और तकनीकी विभाग से अनुमति लेना और रंग का अनुमोदन कराना अनिवार्य था। उनका कहना है कि यह सब सरकारी धन के दुरुपयोग के उद्देश्य से किया गया।

घटिया काम का आरोप

परमेश्वर अंभोरे ने आरोप लगाया है कि फ्लाईओवरों और सार्वजनिक दीवारों की रंगाई के लिए दिए गए ठेके में उच्च अधिकारियों और ठेकेदार की मिलीभगत से घटिया और निकृष्ट दर्जे का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने ठेका तत्काल रद्द करने और स्वीकृत अनुदान राशि निलंबित करने की मांग की है। भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप सामने आने के बाद भिवंडी निज़ामपुर मनपा के उच्च अधिकारियों के कार्यालय में हड़कंप मचा हुआ है। सूत्रों के अनुसार, इस ठेके से जुड़े कुछ वरिष्ठ अधिकारी ठेकेदार को बचाने के लिए मनपा के कुछ दलालों के जरिए मामले को रफा-दफा करने की कोशिश कर रहे हैं।

अनुदान रद्द कर जांच की मांग

समाजसेवक ने मांग की है कि स्वच्छ भारत अभियान 2.0 के तहत चल रहे इस कार्य में संलिप्त कंपनी को तत्काल हटाया जाए, मनपा द्वारा जारी अनुदान रद्द किया जाए और पूरे मामले की निष्पक्ष उच्चस्तरीय जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। उन्होंने यह भी बताया कि संबंधित विभाग के अधिकारियों से संपर्क करने की कोशिश की गई, लेकिन उनसे संपर्क नहीं हो सका।

ज्वैलरी दुकान से सोने की बालियां चोरी, सीसीटीवी में कैद

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी शहर के नारपोली गांव स्थित भंडारी परिसर में श्री नागमनी ज्वैलर्स की दुकान पर खरीदारी के बहाने आए एक युवक ने चालाकी से सोने की बालियों से भरी ट्रे चुरा ली। यह पूरी घटना दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। पुलिस के अनुसार, दुकानदार बृजलाल जैन रात करीब 9 बजे अपनी दुकान में मौजूद थे, तभी एक युवक कान के गहने देखने के बहाने दुकान में दाखिल हुआ।

ढाई लाख से ज्यादा की चोरी, पुलिस जांच में जुटी

दुकानदार ने ग्राहक को सोने की बालियों से भरी ट्रे दिखाई, जिसकी कीमत करीब 2 लाख 50 हजार 500 रुपये बताई जा रही है। इसी दौरान दुकानदार का ध्यान भटकते ही युवक ने ट्रे उठाकर उसमें रखी सभी बालियां चुरा लीं और मौके से फरार हो गया। घटना की शिकायत के बाद नारपोली पुलिस स्टेशन में अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की पहचान और तलाश में जुटी हुई है।

गैस पाइपलाइन कार्य से ठाणे की जलापूर्ति प्रभावित

केस दर्ज करने की मांग

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ठाणे में महानगर गैस की पाइपलाइन बिछाने के दौरान पानी सप्लाई करने वाली पुरानी मुख्य जल पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई, जिससे शहर में गंभीर जल संकट पैदा हो गया है। बताया गया है कि पिसे से टेमघर इलाके तक जाने वाली 1000 मिमी डायमीटर की पुरानी सीमेंट पाइपलाइन, भिवंडी बायपास के रंजनोली गांव के पास ड्रिलिंग के दौरान फट गई। कॉन्ट्रैक्टर की लापरवाही से हुए इस बड़े लीकेज के कारण ठाणे शहर के नागरिक पिछले 15 दिनों से पीने के पानी की भारी किल्लत का सामना कर रहे हैं।

आयुक्त को पत्र

इस घटना को लेकर एनसीपी–शरदचंद्र पवार पार्टी ने कड़ा रुख अपनाया है। पार्टी ने कॉन्ट्रैक्टर के साथ-साथ समय रहते कार्रवाई न करने वाले कार्यकारी अभियंता हनमंत पांडे के खिलाफ मामला दर्ज करने की मांग की है। विधायक डॉ. जितेंद्र आव्हाड और जिला अध्यक्ष मनोज प्रधान के मार्गदर्शन में राष्ट्रवादी युवा कांग्रेस के कार्यकारी अध्यक्ष राजेश कदम ने मनपा आयुक्त को पत्र लिखकर दोषियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई की मांग की है।

2,000 से अधिक बैनर-होर्डिंग्स पर कार्रवाई

ओपी यादव । वसई

वसई-विरार शहर महानगरपालिका क्षेत्र में 15 दिसंबर 2025 से चुनाव आचार संहिता लागू की गई है। इस पृष्ठभूमि में आयुक्त एवं मुख्य चुनाव अधिकारी मनोजकुमार सूर्यवंशी (भा.प्र.से.) के आदेशानुसार महानगरपालिका द्वारा प्रभाग समिति-वार कार्रवाई करते हुए दो हजार से अधिक बैनर, झंडे, बोर्ड और अन्य प्रचार फलक हटाए गए हैं।

आदर्श आचार संहिता के तहत व्यापक अभियान

चुनाव अवधि के दौरान आदर्श आचार संहिता का पालन सुनिश्चित करने के लिए गठित पथकों द्वारा क्षेत्र में 1,864 बैनर, 324 झंडे, 87 बोर्ड, 5 कोनशीला और 3 कमान सहित कुल लगभग 2,283 बैनर, बोर्ड और अन्य समान फलक हटाने की कार्रवाई की गई है। इस अभियान से शहर में चुनावी नियमों के सख्त पालन का संदेश दिया गया है।

गोवा में बनी 1 करोड़ रुपए की विदेशी शराब जब्त

आबकारी विभाग ने की छापेमारी, कंटेनर चालक गिरफ्तार

डीबीडी संवाददाता । भिवंडी

भिवंडी में क्रिसमस और नए साल के मद्देनज़र शराब की बढ़ती तस्करी के खिलाफ आबकारी विभाग की फ्लाइंग स्क्वाड ने बड़ी कार्रवाई की है। विभाग ने छापा मारकर गोवा में बनी विदेशी शराब के 711 बॉक्स, जिनकी कुल कीमत 1 करोड़ 91 हजार 880 रुपए बताई जा रही है, जब्त किए हैं। इसके साथ ही मध्य प्रदेश में बिक्री के लिए ले जाया जा रहा एक कंटेनर भी कब्जे में लिया गया है और कंटेनर चालक को गिरफ्तार किया गया है।

मुंबई–नासिक हाईवे पर पकड़ा गया कंटेनर

आबकारी विभाग के अनुसार, फ्लाइंग स्क्वाड को सूचना मिली थी कि गोवा निर्मित विदेशी शराब एक कंटेनर के जरिए अवैध रूप से ले जाई जा रही है। इसके बाद आबकारी इंस्पेक्टर दीपक परब के नेतृत्व में टीम ने मुंबई–नासिक राजमार्ग पर राजनोली गांव के पास सुबह करीब 9:30 बजे संदिग्ध कंटेनर नंबर NL 01 AB 7168 को रोका। तलाशी में कंटेनर से रॉयल सेलेक्ट डीलक्स व्हिस्की और रॉयल ब्लू व्हिस्की के 711 बॉक्स बरामद किए गए। टीम ने शराब और कंटेनर जब्त कर चालक आसिफ आस मोहम्मद को गिरफ्तार किया। मामले की आगे की जांच आबकारी इंस्पेक्टर दीपक परब कर रहे हैं।

मुंबई से नासिक तक

एक साथ गूंजेगी उद्धव-राज की आवाज

ठाकरे बंधु करेंगे संयुक्त रैलियां

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र की राजनीति में एक बड़ा मोड़ आया है। शिवसेना (यूबीटी) और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) आगामी नगर निगम चुनावों में गठबंधन कर रहे हैं। संजय राउत ने पुष्टि की कि 15 जनवरी को होने वाले चुनावों से पहले उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे मुंबई और अन्य प्रमुख शहरों में संयुक्त रैलियों के माध्यम से जनता से संवाद करेंगे। शिवसेना (यूबीटी) के वरिष्ठ नेता और सांसद संजय राउत ने बुधवार को पत्रकारों से बातचीत में बताया कि उनके प्रयास से उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे एक मंच पर आ रहे हैं। राउत ने कहा कि दोनों चचेरे भाई मुंबई सहित महाराष्ट्र के अन्य प्रमुख स्थानों पर रैलियां करेंगे और लोगों को संबोधित करेंगे।

संयुक्त रैलियों का मकसद

राउत ने जोर देकर कहा कि यह गठबंधन महाराष्ट्र की जरूरत है। उनका उद्देश्य है कि दोनों भाई अधिक से अधिक क्षेत्रों में जनता तक अपनी बात पहुंचाएं। इसके तहत पुणे, नासिक और कल्याण-डोम्बिवली जैसे बड़े शहरों में भी संयुक्त रैलियां आयोजित की जा सकती हैं।

किस नगर निगम चुनावों पर है फोकस

संजय राउत ने बताया कि शिवसेना (यूबीटी) और मनसे बीएमसी, मीरा-भायंदर, कल्याण-डोम्बिवली, ठाणे, पुणे और नासिक नगर निगम चुनावों के लिए गठबंधन कर रहे हैं। इस गठबंधन की औपचारिक घोषणा अगले सप्ताह की संभावना है। महाराष्ट्र में कुल 29 नगर निगमों के चुनाव 15 जनवरी को होंगे, जबकि मतगणना 16 जनवरी को होगी।

अजित पवार और महायुति गठबंधन पर तंज

संजय राउत ने महाराष्ट्र की सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि भाजपा द्वारा अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी को गठबंधन से बाहर रखना केवल दिखावा है। उन्होंने इस संदर्भ में राकांपा नेता नवाब मलिक के नेतृत्व का हवाला दिया।

एनसीपी की तैयारियां तेज

एनसीपी, भाजपा और एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना महायुति गठबंधन के घटक दल हैं। एनसीपी ने बीएमसी चुनावों की तैयारियां तेज कर दी हैं और पूर्व मंत्री नवाब मलिक के नेतृत्व में चुनाव प्रबंधन समिति की समीक्षा बैठक मंगलवार को आयोजित की गई।

राज ठाकरे से हुई बैठक

राउत ने मंगलवार को मनसे प्रमुख राज ठाकरे से मुलाकात की थी। बैठक में दोनों दलों ने चुनावी रणनीति पर चर्चा की और संयुक्त रैलियों और प्रचार कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की।

नए साल से लगेगा गुटखा कारोबारियों पर मकोका

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में गुटखा प्रतिबंध के बावजूद स्कूलों और कॉलेजों के आसपास खुलेआम बिक्री जारी रहने पर राज्य सरकार ने सख्त रुख अपनाया है। इस अवैध कारोबार पर लगाम लगाने के लिए सरकार ने मकोका (महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम) को सख्ती से लागू करने का फैसला किया है, जो नए साल से प्रभावी होगा।

कानून में होगा जरूरी संशोधन

अन्न व औषधि मंत्री नरहरि झिरवाल ने बताया कि गुटखा कारोबारियों पर मकोका लगाने के लिए कानून में आवश्यक बदलाव किए जाएंगे। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि मौजूदा प्रावधानों में "नुकसान और चोट" दोनों तत्वों की कमी के कारण मकोका लागू नहीं हो पा रहा था, इसलिए अब नियमों में संशोधन कर इसे गुटखा माफिया पर भी लागू किया जाएगा।

एफडीए को सख्त निर्देश

मंत्री झिरवाल के अनुसार नागपुर शीत सत्र समाप्त होने के बाद एफडीए ने इस दिशा में काम शुरू कर दिया है। गुटखा बनाने वालों तक पहुंचने के लिए विशेष नीति बनाई जाएगी और गुटखा प्रोहिबिशन एक्ट को और कड़ा करने के साथ मकोका लागू करने के प्रस्ताव को जल्द विधि व न्याय विभाग को भेजने के निर्देश दिए गए हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

विमानों में मराठी में भी हो एनाउंसमेंट: नाना पटोले

मुंबई। महाराष्ट्र आने-जाने वाले विमानों में हिंदी और अंग्रेजी के साथ-साथ मराठी भाषा में भी अनाउंसमेंट अनिवार्य किए जाने की मांग उठी है। यह मांग कांग्रेस विधायक नाना पटोले ने की है। इस संबंध में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर नागरिक विमानन मंत्रालय और सभी विमानन कंपनियों को स्पष्ट निर्देश जारी करने का आग्रह किया है। नाना पटोले ने अपने पत्र में कहा है कि केंद्र सरकार द्वारा मराठी भाषा को 'अभिजात भाषा' का दर्जा दिया जाना एक ऐतिहासिक और सराहनीय निर्णय है, जिससे मराठी की समृद्ध साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत को मान्यता मिली है। उन्होंने लिखा कि अब समय आ गया है कि इस सम्मान को केवल प्रतीकात्मक न रखकर व्यवहारिक रूप में भी लागू किया जाए। वर्तमान में विमानों में घोषणाएं केवल हिंदी और अंग्रेजी में होती हैं, जबकि मराठी को इससे बाहर रखा गया है। पटोले ने पत्र में यह भी उल्लेख किया कि मराठी महाराष्ट्र की राजभाषा है और राज्य के दैनिक जीवन में इसका व्यापक उपयोग होता है। मुंबई, पुणे, नागपुर और नाशिक जैसे प्रमुख शहरों में आने-जाने वाले यात्रियों के लिए मराठी में घोषणाएं न केवल सुविधाजनक होंगी, बल्कि इससे स्थानीय भाषा और संस्कृति के प्रचार-प्रसार को भी मजबूती मिलेगी।

मुंबई कांग्रेस ने ईडी कार्यालय के सामने किया जोरदार विरोध प्रदर्शन

मुंबई। नेशनल हेराल्ड प्रकरण में न्यायालय के फैसले के बाद कांग्रेस पार्टी ने मुंबई में ईडी कार्यालय के सामने आक्रामक विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेस का आरोप है कि ईडी सरकारी इशारों पर काम कर रही है और सोनिया गांधी व राहुल गांधी को चौकशी के नाम पर नाहक परेशान किया गया। कांग्रेस नेतृत्व ने कहा कि भाजपा सरकार विरोधी नेताओं के साथ दुहेरी न्याय कर रही है, जबकि अपने पक्ष के नेताओं को बचाया जा रहा है। मोर्चा मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष और सांसद वर्षा गायकवाड के नेतृत्व में निकाला गया। इस प्रदर्शन में पार्टी के कई वरिष्ठ नेता और शेकड़ों कार्यकर्ता शामिल हुए, जिन्होंने सरकार के खिलाफ जोरदार घोषणाबाजी की और अपना विरोध जताया। सांसद वर्षा गायकवाड ने कहा, "देश के स्वतंत्रता संग्राम और आजादी के बाद कांग्रेस नेताओं ने बलिदान दिया है। उनके खिलाफ झूठे आरोप लगाकर बदनाम करना स्वीकार्य नहीं है। अगर कांग्रेस नेतृत्व की बदनामी करने का प्रयास किया गया, तो पार्टी के कार्यकर्ता सड़क पर उतरकर जवाब देंगे।"

एल्गार परिषद मामला

गौतम नवलखा को दिल्ली स्थित घर में रहने की अनुमति

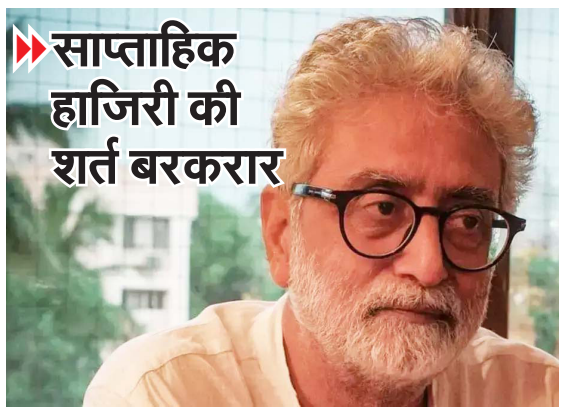

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

बॉम्बे हाईकोर्ट ने बुधवार को एल्गार परिषद-माओवादी लिंक मामले में आरोपी मानवाधिकार कार्यकर्ता गौतम नवलखा को दिल्ली स्थित अपने घर में रहने की अनुमति दे दी। हालांकि अदालत ने स्पष्ट किया कि नवलखा को मुकदमे की सुनवाई के लिए जब भी जरूरत हो, विशेष एनआईए अदालत के समक्ष पेश होना होगा।

नवलखा के लिए रखी गई ये शर्त

न्यायमूर्ति भारती डांगरे और न्यायमूर्ति श्याम चंदक की पीठ ने आदेश दिया कि नवलखा हर शनिवार दिल्ली के स्थानीय पुलिस थाने में हाजिरी लगाएंगे, अपना पासपोर्ट जमा करेंगे और विशेष अदालत की पूर्व अनुमति के बिना दिल्ली नहीं छोड़ेंगे। अदालत ने कहा कि आरोप तय होने के समय और उसके बाद ट्रायल के दौरान उन्हें विशेष अदालत के निर्देशानुसार हर तारीख पर उपस्थित रहना होगा, जब तक कि उन्हें छूट न दी जाए। नवलखा की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता युग चौधरी ने साप्ताहिक हाजिरी की शर्त में ढील देकर इसे मासिक करने का अनुरोध किया, लेकिन पीठ ने इसे खारिज कर दिया। अदालत ने कहा कि नवलखा को भले ही सशर्त स्वतंत्रता मिली हो, लेकिन वह अभी पूरी तरह स्वतंत्र व्यक्ति नहीं हैं।

हाईकोर्ट ने 2023 में नवलखा को दी थी जमानत

बता दें कि हाईकोर्ट ने 2023 में नवलखा को जमानत दी थी, लेकिन शर्त लगाई गई थी कि वह ट्रायल कोर्ट की अनुमति के बिना मुंबई नहीं छोड़ेंगे। इस वर्ष नवलखा ने विशेष एनआईए अदालत में दिल्ली में रहने की अनुमति मांगी थी, जिसे खारिज कर दिया गया था, जिसके बाद उन्होंने हाईकोर्ट का रुख किया। अपनी याचिका में नवलखा ने दलील दी थी कि मुकदमे की सुनवाई जल्द शुरू होने की संभावना नहीं है और उनके लिए मुंबई में रहना आर्थिक रूप से संभव नहीं है। एनआईए का आरोप है कि नवलखा प्रतिबंधित संगठन सीपीआई (माओवादी) के नेताओं के निर्देश पर उसकी विचारधारा और गतिविधियों को बढ़ावा देने में शामिल सह-षड्यंत्रकारी थे।

सातारा एमडी ड्रग्स फैक्ट्री मामला

उपमुख्यमंत्री के संबंध होने के कारण मामले को दबाने की कोशिश: हर्षवर्धन सपकाल

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

सातारा जिले के सावली गांव में एमडी ड्रग्स की बड़ी फैक्ट्री का मुंबई क्राइम ब्रांच द्वारा पर्दाफाश किए जाने के बाद महाराष्ट्र की राजनीति गरमा गई है। महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने आरोप लगाया है कि इतनी गंभीर कार्रवाई के बावजूद फडणवीस सरकार मामले को हल्के में ले रही है। उनका कहना है कि अब तक इस ड्रग्स रैकेट के असली सूत्रधारों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है, जिससे सरकार की मंशा पर सवाल खड़े होते हैं।

शिंदे परिवार से संबंध का आरोप

तिलक भवन में मीडिया से बातचीत के दौरान सपकाल ने दावा किया कि सावली गांव के पास ही उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का पैतृक गांव दरे स्थित है और यह काला धंधा उनके भाई प्रकाश शिंदे द्वारा चलाया जा रहा था। उन्होंने कहा कि ड्रग्स फैक्ट्री और उपमुख्यमंत्री से जुड़े होने के कारण ही सरकार सख्त कदम उठाने से बच रही है। सपकाल ने इसे सत्ता के दुरुपयोग का गंभीर उदाहरण बताया।

पुलिस की भूमिका पर भी उठे सवाल

कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष ने कहा कि सावली गांव में ड्रग्स फैक्ट्री चल रही थी, इसकी जानकारी सातारा पुलिस को पहले से थी, फिर भी कोई कार्रवाई नहीं की गई। यह कार्रवाई मुंबई क्राइम ब्रांच ने की। उन्होंने सातारा के पुलिस अधीक्षक और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के करीबी संबंधों की ओर इशारा करते हुए सवाल उठाया कि क्या इस पूरे मामले में सत्ताधारी नेताओं की मिलीभगत है।

चुनाव कार्यक्रम को लेकर आयोग पर निशाना

सपकाल ने आरोप लगाया कि सातारा ड्रग्स मामले से जनता का ध्यान हटाने के लिए चुनाव आयोग की मदद से नगर निगम चुनावों की जल्दबाज़ी में घोषणा की गई। उन्होंने कहा कि मतदाता सूचियां समय पर जारी नहीं की गईं, जबकि नामांकन प्रक्रिया शुरू हो रही है।

बीएमसी ने हटाए 2,103 राजनीतिक पोस्टर-बैनर

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा सोमवार को महानगरपालिका चुनावों की घोषणा किए जाने के साथ ही आदर्श आचार संहिता तत्काल प्रभाव से लागू हो गई है। इसके तहत मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने राजनीतिक पोस्टर, बैनर और अन्य प्रचार सामग्री हटाने की कार्रवाई तेज कर दी है। चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखने के उद्देश्य से अवैध राजनीतिक विज्ञापनों के खिलाफ व्यापक अभियान शुरू किया गया है।

बीएमसी की ओर से चलाए जा रहे इस अभियान के तहत मंगलवार दोपहर 3 बजे तक शहर के विभिन्न इलाकों से नियमों के विरुद्ध लगाए गए कुल 2,103 राजनीतिक होर्डिंग्स, बैनर, फ्लेक्स, कियोस्क, स्टिकर, झंडे, चिन्ह, फलक और दीवारों पर की गई प्रचार सामग्री हटाई गई। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आचार संहिता के उल्लंघन को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

निष्पक्ष चुनाव के लिए अभियान जारी

बीएमसी आयुक्त एवं निर्वाचन अधिकारी भूषण गगरानी के निर्देश पर यह विशेष अभियान अतिरिक्त महानगरपालिका आयुक्त (शहर) अश्विनी जोशी के नेतृत्व में और उप आयुक्त (विशेष) चंदा जाधव के मार्गदर्शन में चलाया जा रहा है। अधिकारियों ने कहा कि यह अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। साथ ही राजनीतिक दलों और कार्यकर्ताओं से अपील की गई है कि वे आचार संहिता का पालन करें और निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया में प्रशासन का सहयोग करें।

वर्ली सी लिंक पर 252 Kmph की रफ्तार से दौड़ी लैंबॉर्गिनी, जब्त

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई के सबसे व्यस्त और कड़ी निगरानी वाले मार्गों में शामिल वर्ली सी लिंक पर एक महंगी लैम्बॉर्गिनी को 252 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चलाने का मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद मुंबई ट्रैफिक पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए सुपरकार को जब्त कर लिया। इस घटना ने एक बार फिर सार्वजनिक सड़कों पर खतरनाक ड्राइविंग को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। यह मामला तब सामने आया जब वर्ली सी लिंक पर तेज रफ्तार से दौड़ती लैम्बॉर्गिनी का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। वीडियो में दिखाई दे रही खतरनाक रफ्तार ने लोगों को हैरान कर दिया और व्यापक नाराजगी भी देखने को मिली। इसके बाद पुलिस ने स्वतः संज्ञान लेते हुए जांच शुरू की।

पुलिस कार्रवाई और दर्ज धाराएं

अधिकारियों के अनुसार, HR 70 F 1945 नंबर की इस लैम्बॉर्गिनी को कथित तौर पर टेस्ट ड्राइव के दौरान बेहद तेज गति से चलाया गया। वर्ली पुलिस ने इस मामले में मोटर वाहन अधिनियम की धारा 183 और 184 के तहत खतरनाक ड्राइविंग का केस दर्ज किया है। इसके साथ ही भारतीय न्याय संहिता (BNS) की धारा 281 भी लगाई गई है, जो लापरवाही से वाहन चलाने से जुड़ी है। पुलिस जांच में सामने आया है कि यह लैम्बॉर्गिनी सूरत में रजिस्टर्ड है और इसके मालिक अहमदाबाद निवासी नीरव पटेल बताए जा रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, घटना के समय कार डीलर फैज एडनवाला इसे चला रहा था। बताया जा रहा है कि कार की टॉप स्पीड दिखाने के लिए यह टेस्ट ड्राइव की जा रही थी। लेकिन यही स्टंट अब गंभीर कानूनी मुसीबत का कारण बन गया है।

कार जब्त, दस्तावेजों की जांच जारी

मुंबई ट्रैफिक पुलिस ने पुष्टि की है कि वाहन को जब्त कर लिया गया है और इसके सभी दस्तावेजों की जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद यह तय किया जाएगा कि इस खतरनाक ड्राइविंग के लिए किसकी जिम्मेदारी बनती है और आगे क्या कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

चुनाव

निकाय चुनावों के बीच कांग्रेस को बड़ा झटका

विधायक प्रज्ञा सातव बीजेपी में होंगी शामिल!

दोपहर संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र में कांग्रेस पहले ही लोकसभा और विधानसभा चुनावों के दौरान कई राजनीतिक झटकों का सामना कर चुकी है। पार्टी के अनेक दिग्गज नेता बीते समय में कांग्रेस छोड़कर भाजपा, शिवसेना और एनसीपी में शामिल हो चुके हैं। इसी बीच मुंबई बीएमसी सहित राज्य की 29 महानगरपालिकाओं के चुनावों की घोषणा के बाद कांग्रेस खेमे से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आई है। सूत्रों के मुताबिक, गांधी परिवार के भरोसेमंद माने जाने वाले दिवंगत नेता डॉ. राजीव सातव की पत्नी प्रज्ञा सातव के भाजपा में शामिल होने की संभावना जताई जा रही है। प्रज्ञा वर्तमान में महाराष्ट्र विधान परिषद की सदस्य हैं। इस चर्चा के सामने आते ही प्रदेश कांग्रेस में खलबली मच गई है।

2021 में विधान परिषद पहुंचीं प्रज्ञा सातव

कांग्रेस ने प्रज्ञा सातव को वर्ष 2021 में विधान परिषद का सदस्य बनाया था। 17 मार्च 1976 को जन्मी प्रज्ञा सातव 49 वर्ष की हैं और दो बच्चों की मां हैं। पार्टी संगठन में वे महाराष्ट्र कांग्रेस की उपाध्यक्ष भी रह चुकी हैं। उनके पति डॉ. राजीव सातव का निधन 16 मई 2021 को कोरोना संक्रमण के कारण हुआ था।

कांग्रेस की इकलौती महिला एमएलसी

प्रज्ञा सातव इस समय विधान परिषद में कांग्रेस की एकमात्र महिला सदस्य हैं। पेशे से डॉक्टर प्रज्ञा ने एमबीबीएस की पढ़ाई की है। वर्तमान में प्रदेश कांग्रेस की जिम्मेदारी हर्षवर्धन सपकाल के पास है, जिन्हें पार्टी के प्रभावशाली 'जय जगत' समूह के नजदीकी नेताओं में गिना जाता है।

दो और विधायकों के पाला बदलने की चर्चा

राजनीतिक गलियारों में यह भी चर्चा तेज है कि प्रज्ञा सातव के साथ दो अन्य विधायक भी दल बदल सकते हैं। पिछले दो वर्षों में महाराष्ट्र कांग्रेस की स्थिति लगातार कमजोर होती गई है। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण, संजय निरुपम, जीशान सिद्दीकी, उनके पिता बाबा सिद्दीकी और मिलिंद देवड़ा जैसे बड़े नेता पहले ही कांग्रेस छोड़

महाविकास आघाड़ी में रहते हुए भी चुनौतियां बरकरार

महाराष्ट्र में कांग्रेस फिलहाल महाविकास आघाड़ी का हिस्सा है। लोकसभा चुनावों में पार्टी ने बेहतर प्रदर्शन करते हुए गठबंधन में सबसे बड़ी पार्टी का दर्जा हासिल किया था, लेकिन विधानसभा चुनावों में उसे शिवसेना (यूबीटी) से पीछे रहना पड़ा। अब नगर निगम चुनावों से पहले सामने आ रही ये अटकलें कांग्रेस की मुश्किलें और बढ़ा सकती हैं।

अग्निशमन दल के बेड़े में अग्नि सुरक्षा जागरूकता वाहन शामिल

मुंबई। मुंबई महानगर क्षेत्र में नागरिकों को अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से मुंबई नगर निगम के अग्निशमन विभाग ने अपने बेड़े में एक विशेष 'अग्नि सुरक्षा जागरूकता वाहन' को शामिल किया है। यह वाहन स्कूलों, अस्पतालों, मॉल, औद्योगिक व वाणिज्यिक परिसरों तथा घनी आबादी वाले क्षेत्रों में जाकर आग से बचाव के उपायों, आग लगने से पहले बरती जाने वाली सावधानियों, आपात स्थिति में सही प्रतिक्रिया, अग्निशामक यंत्रों के उपयोग, आपातकालीन निकासी और सुरक्षा नियमों की जानकारी सरल भाषा में देगा। इससे जन जागरूकता अभियान अधिक त्वरित और प्रभावी होगा तथा आग की घटनाओं से होने वाले नुकसान को कम करने में मदद मिलेगी।

पश्चिम रेलवे
शुद्धिपत्र
निविदा सूचना सं.: EL90-MX-2025-26-05RT दिनांक: 17.11.2025 पूर्व निविदा सूचना के अनुसार निविदा खोलने की अंतिम तिथि 19.12.2025 निर्धारित थी, जिसे संशोधित करते हुए अब 26.12.2025 पढ़ा जाए। निविदा की अन्य सभी शर्तें एवं नियम पूर्ववत् अपरिवर्तित रहेंगे। 0903
हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

संपादकीय

अमीरी दे गरीब को ग्रास

देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली घातक पर्यावरण संकट झेल रही है। विडंबना यह है कि इस संकट के निदान के लिये जो उपाय लागू किए जा रहे हैं, उसका खमियाजा गरीबों को झेलना पड़ रहा है। इस संकट की संवेदनशीलता को महसूस करते हुए सुप्रीम कोर्ट को कहना पड़ा कि अमीरों की जीवन शैली से उपजी मुश्किलों का सामना गरीबों को करना पड़ता है। दरअसल, बिगड़ते प्रदूषण संकट के बाबत दायर याचिकाओं को आज सुनवाई के लिये सूचीबद्ध करते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने यह मर्मस्पर्शी टिप्पणी की। कोर्ट ने भरोसा दिलाया कि वह इस बाबत प्रभावी और लागू करने योग्य आदेश पारित करेगा। दरअसल, मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या और जस्टिस विपुल एम. पंचोली की पीठ ने वरिष्ठ वकील और न्यायमित्र अपराजिता सिंह की दलीलों पर गौर करते हुए ये टिप्पणी की थी। अदालत का कहना था कि दिल्ली एनसीआर में ग्रेप-4 लागू करने के चलते जो पाबंदियां लागू की गई हैं, उनका सबसे ज्यादा नुकसान गरीब लोगों को हो रहा है। इससे निर्माण कार्य बंद होने से हजारों गरीब मजदूरों का चूल्हा नहीं जल सकेगा। मुख्य न्यायाधीश ने इस बाबत कहा कि संपन्न लोगों को अपनी जीवन शैली में बदलाव लाना चाहिए। साथ ही कहा कि हमें समस्या का पता है और इसलिए हम ऐसे आदेश पारित करेंगे, जिनका पालन किया जा सकेगा। कहा कि कुछ निर्देश ऐसे भी हैं, जिन्हें बलपूर्वक लागू किया जा सकता है। जस्टिस सूर्यकांत का कहना था कि महानगरों में लोगों की अपनी अलग जीवनशैली होती है, जिन्हें वे बदलना नहीं चाहते। यही वजह है कि समस्या अमीरी की वजह से होती है, लेकिन झेलना गरीब को पड़ता है। दरअसल, अदालत की सोच रही है कि हमारा परिवेश-पर्यावरण साफ-सुथरा रहे, इसके लिये हम सबको अपने कुछ सुखों का त्याग करना होगा। यह जानते हुए कि पर्यावरण पर आने वाले संकट व प्रदूषित हवा का अमीर-गरीब पर समान असर पड़ता है। निस्संदेह, देश की शीर्ष अदालत ने देश व समाज की दुखती रग पर ही हाथ रखा है। महानगरों में अमीर तबके की विलासिता के चलते ही पर्यावरण व अन्य संकटों को बढ़ावा मिलता है। महानगरों में लगातार सड़कों का विस्तारीकरण, नए हाइवे निर्माण व ओवर ब्रिज निर्माण के बावजूद जाम व प्रदूषण का संकट कम नहीं हो रहा है। दरअसल, हमने अपनी सुख-सुविधाओं को प्राथमिकता दी है, लेकिन व्यापक सामाजिक हितों की अनदेखी की है। आमतौर पर एक अकेले व्यक्ति के लिये कारें सड़कों पर दौड़ती रहती हैं। जो न केवल सड़कों में ज्यादा जगह घेरती हैं, बल्कि ज्यादा कार्बन उत्सर्जन करके प्रदूषण को भी बढ़ावा देती हैं। यही वजह है कि आम आदमी सरकार ने अपने कार्यकाल में ऑड-इवन प्रणाली शुरू करने को प्राथमिकता दी थी ताकि सड़कों पर कारों का सैलाब कम किया जा सके। तब बात उठी थी कि एक दिशा में और एक ऑफिस की तरफ जाने वाले लोग कार शेयर करके चलें। विडंबना यह है कि सत्ताधीशों ने दिल्ली में सार्वजनिक ट्रांसपोर्ट को सशक्त करने को प्राथमिकता नहीं दी। यदि सार्वजनिक परिवहन सस्ता व सहज उपलब्ध होता तो शायद सड़कों पर कारों का दबाव कम होता। हाल के दिनों में संपन्न व मध्यम वर्ग में एसी व अन्य वातानुकूलन उपायों के उपयोग का प्रचलन तेजी से बढ़ा है। इससे जहां प्रदूषण बढ़ाने वाली बिजली की खपत बढ़ी है, वहीं बाहर का तापमान व कार्बन उत्सर्जन भी बढ़ा है। इसी तरह तमाम अमीरों द्वारा संचालित उद्योगों में उन उपायों का ईमानदारी से पालन नहीं किया गया जो पर्यावरण में प्रदूषण कम करने में सहायक होते हैं। विडंबना यह है कि महानगरों व अन्य शहरों में जहां कुछ इलाकों में पेयजल का संकट बना रहता है, वहीं दूसरे पॉश इलाकों मे लॉन सींचने, कार धोने और स्वीमिंग पूलों के लिये पर्याप्त पानी उपलब्ध रहता है। अकसर कहा जाता है कि कुदरत ने हर व्यक्ति के लिए हवा, पानी व भोजन उपलब्ध कराया है, लेकिन इनके असमान वितरण व अमीरी के दखल के चलते, गरीब के साथ न्याय नहीं हो पाता है। अमीर होना बुरा नहीं है लेकिन उसकी अमीरी की कीमत गरीब को न चुकानी पड़े।

इथियोपिया में मोदी का ऐतिहासिक स्वागत

कांतिलाल मांडोत
वरिष्ठ पत्रकार,
साहित्यकार-स्तम्भकार

अफ्रीका के हृदय कहे जाने वाले इथियोपिया की राजधानी अदीस अबाबा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का दौरा केवल एक कूटनीतिक यात्रा नहीं, बल्कि भारत-इथियोपिया के हजारों वर्ष पुराने संबंधों को नई ऊर्जा देने वाला ऐतिहासिक क्षण बन गया। जैसे ही प्रधानमंत्री मोदी अदीस अबाबा के बोले अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरे, वहां आत्मीयता, सम्मान और अपनत्व का ऐसा दृश्य देखने को मिला जिसने दोनों देशों के रिश्तों की गहराई को स्पष्ट कर दिया। इथियोपिया के प्रधानमंत्री अबी अहमद अली स्वयं प्रोटोकॉल तोड़ते हुए प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत करने पहुंचे और सबसे विशेष बात यह रही कि वे खुद कार चलाकर प्रधानमंत्री मोदी को एयरपोर्ट से होटल तक लेकर गए। यह दृश्य केवल औपचारिकता नहीं था, बल्कि अफ्रीकी संस्कृति में मित्रता और भरोसे का प्रतीक माना जाता है। एयरपोर्ट पर प्रधानमंत्री मोदी का पारंपरिक अंदाज में स्वागत किया गया। इथियोपिया की सांस्कृतिक पहचान मानी जाने वाली पारंपरिक कॉफी सेरेमनी के माध्यम से उनका अभिनंदन हुआ। यह रस्म इथियोपिया में सम्मान और अपनत्व का सबसे बड़ा प्रतीक मानी जाती है। प्रवासी भारतीयों ने "भारत माता की जय" और "मोदी-मोदी" के नारों के साथ प्रधानमंत्री का स्वागत किया। ढोल-नगाड़ों, पारंपरिक नृत्यों और भारतीय तिरंगे के बीच पूरा माहौल उत्सव में बदल गया। प्रधानमंत्री मोदी ने भी इस गर्मजोशी को महसूस करते हुए कहा कि इथियोपिया की धरती पर आकर उन्हें अपनेपन का अहसास हो रहा है। इस यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण क्षण तब आया जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इथियोपिया के सर्वोच्च नागरिक सम्मान द ग्रैंड ऑर्डर ऑफ द स्टार ऑफ इथियोपिया से सम्मानित किया गया। यह सम्मान इथियोपिया की ओर से किसी विदेशी नेता को दिया जाने वाला सर्वोच्च अलंकरण है। सम्मान स्वीकार करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने इसे 140 करोड़ भारतीयों का गौरव बताया और कहा कि यह सम्मान भारत और इथियोपिया की साझा मित्रता, साझा मूल्यों और साझा भविष्य का प्रतीक है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत अफ्रीका के साथ साझेदारी को अपने शर्तों पर नहीं, बल्कि अफ्रीका की जरूरतों और प्राथमिकताओं के अनुसार आगे बढ़ाना चाहता है। प्रधानमंत्री मोदी ने इथियोपिया की संसद को भी संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने दोनों देशों के ऐतिहासिक संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत और इथियोपिया केवल रणनीतिक साझेदार नहीं, बल्कि सभ्यतागत साथी हैं। उन्होंने याद दिलाया कि जब भारत औपनिवेशिक शासन से जूझ रहा था, तब इथियोपिया भी स्वतंत्रता और स्वाभिमान की लड़ाई लड़ रहा था। दोनों देशों ने कभी एक-दूसरे के खिलाफ हथियार नहीं उठाए और हमेशा शांति, संप्रभुता और समानता के सिद्धांतों का समर्थन किया। प्रधानमंत्री मोदी और प्रधानमंत्री अबी अहमद अली के बीच द्विपक्षीय बैठक भी हुई, जिसमें व्यापार, निवेश, रक्षा सहयोग, कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा और डिजिटल साझेदारी जैसे कई अहम मुद्दों पर गहन चर्चा हुई। दोनों नेताओं ने इस बात पर सहमति जताई कि भारत-इथियोपिया संबंध अब केवल सहयोग तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि इन्हें रणनीतिक साझेदारी में बदला जाएगा। आतंकवाद के खिलाफ साझा लड़ाई पर भी दोनों नेताओं के विचार एक जैसे दिखाई दिए। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आतंकवाद मानवता के लिए सबसे बड़ा खतरा है और इसके समर्थन या औचित्य को किसी भी रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता। इथियोपिया की ओर से आतंकवाद के खिलाफ भारत के रुख का समर्थन करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी ने धन्यवाद भी दिया। व्यापार और आर्थिक सहयोग के क्षेत्र में भारत और इथियोपिया के संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि इथियोपिया में भारत सबसे बड़ा निवेशक है और भारत, इथियोपिया के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में शामिल है। वर्तमान आंकड़ों के अनुसार भारत से इथियोपिया को होने वाला निर्यात लगभग 4433 करोड़ रुपये का है, जबकि इथियोपिया से भारत का आयात करीब 442 करोड़ रुपये का है। यह आंकड़े स्पष्ट करते हैं कि दोनों देशों के बीच व्यापार की अपार संभावनाएं हैं और भविष्य में इसे और बढ़ाया जा सकता है। भारत इथियोपिया को मुख्य रूप से लोहा और स्टील, दवाइयां और फार्मास्युटिकल उत्पाद, मशीनरी, औद्योगिक उपकरण, ऑटोमोबाइल पार्ट्स और इंजीनियरिंग सामान का निर्यात करता है। भारतीय फार्मा कंपनियां इथियोपिया के स्वास्थ्य क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं और वहां सस्ती तथा गुणवत्तापूर्ण दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित कर रही हैं। वहीं इथियोपिया से भारत दालें, कीमती और अर्ध-कीमती पत्थर, तिलहन बीज, चमड़ा और मसालों का आयात करता है। इथियोपिया का कॉफी उद्योग भी विश्व प्रसिद्ध है और भारत के लिए इसमें सहयोग की नई संभावनाएं हैं। भौगोलिक दृष्टि से देखें तो भारत और इथियोपिया के बीच की दूरी लगभग साढ़े चार से पांच हजार किलोमीटर के आसपास है। नई दिल्ली से अदीस अबाबा की हवाई दूरी करीब 4500 किलोमीटर मानी जाती है। इतनी दूरी के बावजूद दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक और भावनात्मक निकटता इस यात्रा में साफ दिखाई दी। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि दूरी कभी भी दिलों के बीच की नजदीकी को कम नहीं कर सकती, अगर सोच और लक्ष्य एक जैसे हों। प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी रेखांकित किया कि भारत और इथियोपिया दोनों ही ग्लोबल साउथ के प्रमुख साझेदार हैं। विकासशील देशों की आवाज को वैश्विक मंच पर मजबूती से रखने में दोनों देशों की भूमिका अहम है। जलवायु परिवर्तन, सतत विकास, खाद्य सुरक्षा और वैश्विक असमानता जैसे मुद्दों पर भारत और इथियोपिया के विचार मिलते-जुलते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने इथियोपिया की आर्थिक प्रगति और अफ्रीका में उसकी नेतृत्वकारी भूमिका की सराहना की।

जीवन मंत्र

यह ठीक है कि हम दूसरों के व्यवहार को नियंत्रित नहीं कर सकते, लेकिन हम उनके बर्ताव की अपनी व्याख्या को तो नियंत्रित कर सकते हैं, और इस तरह हम अपने मन की शांति और भलाई पर नियंत्रण बनाए रख सकते हैं।

अपने साथ आपका सुलूक

पिछले दिनों एक पत्र मिला, जिसमें पूछा गया था, आप कहते हैं कि रिश्ते इस बात का दर्पण हैं कि हम अपने साथ कैसा सुलूक करते हैं, जबकि ज्ञान परंपराएं कहती हैं, हम इस बात के लिए जिम्मेदार नहीं हैं कि दूसरे लोग हमारे साथ कैसा व्यवहार करते हैं; हम केवल अपने व्यवहार के जिम्मेदार हैं। ये दोनों संदर्भ अपने आप में विरोधाभासी प्रतीत होते हैं। अब जब मैं देखता हूं कि कई लोग मेरे साथ एक खास तरीके का सुलूक कर रहे हैं, जो निश्चित तौर पर अनुचित व्यवहार है, तो मुझे यह कैसे पता चलेगा कि यह मेरे ही अंतर को प्रतिबिंबित कर रहा है या फिर इसका मुझसे कोई लेना-देना नहीं?

रिश्तों के दर्पण होने का मतलब है कि हम दूसरे व्यक्ति के शब्दों या व्यवहार की प्रतिक्रिया में कैसा महसूस करते हैं? ये दरअसल हमारे आत्मविश्वास और उन दृष्टिकोणों का दर्पण है, जो हम अपने बारे में रखते हैं। यह दूसरों के प्रति हमारी सभी प्रतिक्रियाओं पर लागू नहीं होता। यह बस उन प्रतिक्रियाओं से संबंधित है, जो हमारी तटस्थ प्रतिक्रिया की तुलना में असंगत या अतिरंजित हैं।

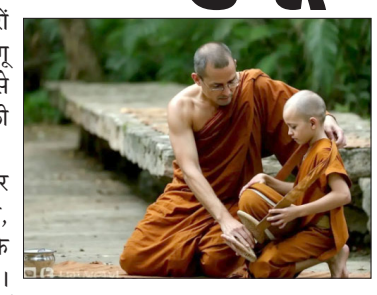

यह कहना कि केवल अपने कार्यों पर नियंत्रण या उसकी जिम्मेदारी हमारी है, किसी और की नहीं, रिश्तों के दर्पण के लिए एक स्वाभाविक परिमापक बिंदु है। यह ठीक है कि हम दूसरों के व्यवहार को नियंत्रित नहीं कर सकते, लेकिन हम उनके बर्ताव की अपनी व्याख्या को तो नियंत्रित कर सकते हैं, और इस तरह हम अपने मन की शांति और भलाई पर नियंत्रण बनाए रख सकते हैं। उदाहरण के लिए, कोई व्यक्ति यदि अविवेकपूर्ण या स्वार्थपूर्ण कार्य करता है, और आप इससे काफी आहत हो जाते हैं। क्यों? क्योंकि यह आपके अतीत की इस धारणा को प्रतिबिंबित करता है, जो कहता है कि 'मेरे साथ अनुचित चीजें होती हैं, क्योंकि यह एक मतलबी दुनिया है और मुझे इससे नफरत है।' यहीं पर आपको गौर करने की जरूरत है। यह एहसास कि आप उस व्यक्ति के कार्यों, उसके आचरण को तो नहीं बदल सकते, मगर उसके कार्यों, आचरणों की अपनी व्याख्या को बदल सकते हैं, बहुत फर्क डाल देगा। आप अपने दैनिक जीवन में इस सूत्र को आजमाकर देख लीजिए।

शख्सियत

भोजपुरी लोकसंस्कृति के जननायक

भिखारी ठाकुर

18 दिसंबर 1887 को बिहार के छपरा जिले के कुतुबपुर दियारा गांव में एक निम्नवर्गीय नाई परिवार में जन्मे भिखारी ठाकुर ने भोजपुरी संस्कृति को वह पहचान दी, जो आज भी उसकी आत्मा मानी जाती है। जिस दौर में भोजपुरी के नाम पर हल्का और सस्ता मनोरंजन परोसने की प्रवृत्ति पनप रही थी, उसी समय भिखारी ठाकुर ने लोककला को सामाजिक सरोकारों से जोड़कर उसे नई चेतना दी।

उन्होंने अपनी रचनाओं के माध्यम से यह सिद्ध कर दिया कि लोकभाषा और लोकनाट्य केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सामाजिक बदलाव का सशक्त माध्यम भी हो सकते हैं। यही वजह है कि उनकी अभिव्यक्ति की विशिष्ट शैली को आज 'भिखारी शैली' के नाम से जाना जाता है।

भिखारी ठाकुर केवल लोक कलाकार नहीं थे, बल्कि वे जीवन भर सामाजिक कुरीतियों और अन्याय के खिलाफ संघर्ष करते रहे। उनके नाटक और गीत स्त्री-वेदना, पलायन, गरीबी, सामाजिक शोषण और नैतिक पतन जैसे मुद्दों को बेहद संवेदनशील ढंग से उठाते हैं। उनके निर्देशन में बनी भोजपुरी फिल्म 'बिदेसिया' आज भी भोजपुरी अंचल में उतनी ही लोकप्रिय है, जितनी अपने समय में थी। इस फिल्म की पंक्तियाँ—'हंसि हंसि पनवा खीऔले बेईमनवा कि अपना बसे रे परदेश कोरी रे चुनरिया में दगिया लगाई गइले, मारी रे करेजवा में ठेस' आज भी पलायन की पीड़ा का प्रतीक बनकर लोगों की जुबान पर हैं। उनके नाटक 'बेटी बेचवा', 'गबर घिचोर' और 'बेटी वियोग' आज भी भोजपुरी क्षेत्रों में मंचित होते हैं। इन रचनाओं में स्त्री की पीड़ा, सामाजिक अन्याय और मानवीय संवेदना का गहरा चित्रण मिलता है। भिखारी ठाकुर अक्सर स्वयं सूत्रधार बनकर दर्शकों से संवाद करते थे और चुटीले अंदाज़ में समाज को आईना दिखा जाते थे। यही उनकी सबसे बड़ी ताकत थी—सीधी, सरल भाषा में गहरी बात कह जाना। भिखारी ठाकुर का व्यक्तित्व अनेक आश्चर्यजनक विशेषताओं से भरा था। केवल अक्षरज्ञान होने के बावजूद उन्हें संपूर्ण रामचरितमानस कंठस्थ था। रोज़गार की तलाश में वे खड़गपुर गए, वहां नौकरी की और लगभग तीस वर्षों तक पारंपरिक पेशे से जुड़े रहे। गांव लौटने के बाद उन्होंने लोक कलाकारों की एक नृत्य मंडली बनाई और रामलीला के माध्यम से अपनी कला यात्रा को विस्तार दिया। संगीत, नाटक और साहित्य—तीनों क्षेत्रों में उन्होंने समान साधना की। उन्होंने कुल 29 पुस्तकें लिखीं और जीवन के अंतिम समय तक भोजपुरी साहित्य और संस्कृति के संवाहक बने रहे। भिखारी ठाकुर सच अर्थों में भोजपुरी के जनकवि और लोकनायक थे, जिन्होंने कला को समाज सुधार का औजार बनाया और भोजपुरी संस्कृति को स्थायी पहचान दिलाई।

जीवन ऊर्जा

हम विचारों से उठते हैं, गिरते हैं, चमकते और दुबकते हैं। किसी भी व्यक्ति के विचार ही उसे सामान्य से विशेष और कालजयी बना देते हैं। अपने इंकलाबी विचारों की बदौलत ही 22 अक्टूबर 1947 को उत्तर प्रदेश के गोंडा जिले के ग्राम आटा परसपुर में मां मांडवी सिंह और पिता देवकली सिंह के घर में जन्मे जिस बालक को प्यार से रामनाथ सिंह नाम दिया गया, वही बालक युवा होकर हिंदी साहित्याकाश में अदम्य सूर्य की भांति अदम गोंडवी के नाम से चमका।

अदम गोंडवी : निधन 18 दिसंबर 2011 देहावसान

सामाजिक अस्मिता का प्रश्न

अदम गोंडवी अपनी तबीयत के शायर थे, वे अपने समकालीन परिवेश में जो कुछ भी घटते हुए देखते हैं उस पर करारा प्रहार करते चलते हैं। गोंडवी की गजलों का सौन्दर्य ऊंचे महलों या कोठे का नहीं है, उनका सौन्दर्य है, हांथों में छाले और पैरों में फटी बिवाई का, मेहनतकश मानव का, भुखमरी और जलालत में जिन्दगी गुजर बसर करने वाली जनता का। वे ललकार कर कहते हैं-

'जिसके हाँथों छाले हैं, पैरों में बिवाई है
उसी के दम से रौनक आपके
बंगले में आयी है'

अदम गोंडवी का काव्य यद्यपि विचार प्रधान है पर ये विचार दुःख और पीड़ा की सघन अनुभूतियों से उपजे हैं। अतः उनका काव्य कोरे विचार के दबाव में शुष्क नहीं हो गया है, उनके विचारों में भाव और भावनाएं भी मौजूद हैं। आज़ादी के बाद देश की राजनीतिक-विसंगतियों पर हिंदी कविता अपने तरीके से क़रारा प्रहार करने की मुहिम चलाती आयी है। अदम गोंडवी भी इसी मुहिम के सशक्त हस्ताक्षर हैं। देश में आज़ादी आने के बाद किसी प्रकार का बदलाव नहीं हुआ। दलितों और हाशिए पर रहे समाजों की हालात जस की तस बनी रही। दलित-पिछड़ों के जीवन में तनिक बदलाव नजर नहीं आया था। कवि, शायर, गद्यकारों ने समय समय पर साहित्य के

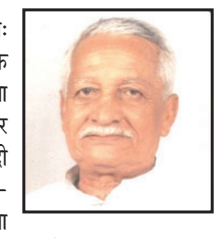

माध्यम से इस सवाल को जिन्दा रखा था। आज़ादी को लेकर अदम गोंडवी ने भी जनतंत्र के पैरोकारों से सवाल किया है कि-

'सौ में सत्तर आदमी
फ़िलहाल
जब नाशाद है,
दिल पे रखकर हाथ कहिए देश
क्या आज़ाद है'

इन्हीं नाशाद आदमियों के परिप्रेक्ष्य में अदम गोंडवी ने राजनीतिक-सत्ता की विसंगतियों पर जबर्दस्त प्रहार किया है। राजनीतिक में पैसे और गुंडागर्दी के बल पर ग्राम्य स्तर पर होने वाली गंदी राजनीति का भी पर्दाफाश किया है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

कृष्ण और सुदामा : मित्रता का शाश्वत भाव

जैसे ही द्वारकाधीश ने तीसरी मुट्ठी चावल उठाकर फाँक लगाने के लिए हाथ बढ़ाया, रुक्मिणी ने कोमलता से उनका हाथ थाम लिया। उनके स्वर में हल्की-सी शरारत और गहन भाव था—"स्वामी, क्या भाभी के लाए इन स्वादिष्ट चावलों का सारा सुख आप अकेले ही उठा लेंगे? हमें भी तो इस सुख में सहभागी बनने का अवसर दीजिए।" कृष्ण के अधरों पर एक अर्थपूर्ण मुस्कान खिल उठी। उन्होंने चावल वापस उसी पोटली में डाल दिए और उसे अपनी पटरानी को सौंप दिया। यह दृश्य केवल भोजन का नहीं था, यह त्याग, प्रेम और साझेदारी का प्रतीक था। सुदामा से बातें करते-करते कब कृष्ण उनके पाँव दबाने लगे, यह सुदामा को पता ही नहीं चला। थकान से चूर सुदामा सो चुके थे, किंतु कृष्ण अपनी स्मृतियों में डूबे हुए उनके पाँव दबाते रहे। बाल्यकाल की वे मधुर स्मृतियाँ—गुरुकुल के दिन, साथ पढ़ना, साथ खेलना, अभाव में भी हँस लेना—सब उनके मन में चलचित्र की भाँति चल रही थीं। तभी रुक्मिणी ने धीरे से उनके कंधे पर हाथ रखा। कृष्ण चौंके, पहले रुक्मिणी को देखा, फिर सुदामा की ओर नज़र गई। रुक्मिणी का संकेत समझकर वे शांत भाव से वहाँ से उठे और अपने कक्ष की ओर चले आए। कृष्ण की यह अवस्था देखकर रुक्मिणी से रहा न गया। उन्होंने विनम्र जिज्ञासा के साथ कहा—"स्वामी, आज आपका व्यवहार मुझे कुछ विचित्र प्रतीत हो रहा है। जो आप संसार के बड़े-बड़े सम्राटों के आगमन पर भी तनिक विचलित नहीं होते, वही अपने मित्र के आने की सूचना पर भोजन छोड़कर नंगे पाँव उन्हें लेने दौड़ पड़े। आप, जिन्हें कोई दुःख, कोई संकट कभी रुला नहीं सका, यहाँ तक कि गोकुल छोड़ते समय मैया यशोदा के अश्रु देखकर भी जिनकी आँखें नम नहीं हुईं—वही अपने मित्र के जीर्ण-शीर्ण, घावों से भरे पाँव देखकर अपने आँसुओं से उन्हें धो बैठे।" रुक्मिणी आगे

बोलीं—"कूटनीति, राजनीति और ज्ञान के शिखर पुरुष होकर भी आप अपने मित्र के लिए इतने भावविह्वल हो उठे कि बिना विचार किए समस्त त्रिलोक की संपदा देने को तत्पर हो गए।" कृष्ण ने उसी आमोदित अवस्था में मुस्कराते हुए कहा—"वह मेरे बालपन का मित्र है, रुक्मिणी।" तभी सत्यभामा ने भी अपनी जिज्ञासा प्रकट की—"परंतु स्वामी, बचपन में तो उन्होंने आपसे छुपाकर वे चने भी खा लिए थे, जिन्हें गुरुमाता ने आपस में बाँटकर खाने को कहा था। ऐसे मित्र के लिए इतनी भावुकता क्यों?" कृष्ण ने गंभीरता से उत्तर दिया—"सत्यभामा, वही तो मित्रता की कसौटी है। जो हमारे दोषों को भी अपनाए, हमारे अभावों में भी साथ खड़ा रहे और हमारे वैभव से कुछ न चाहे—वही सच्चा मित्र होता है। सुदामा ने कभी मुझसे कुछ नहीं माँगा, इसलिए मेरा सब कुछ उसी का है।" कृष्ण की वाणी में कोई दंभ नहीं था, केवल प्रेम और कृतज्ञता थी। सुदामा और कृष्ण की यह कथा बताती है कि सच्ची मित्रता न तो धन देखती है, न पद, न वैभव। वह केवल हृदय से हृदय का संबंध होती है—जो युगों-युगों तक अमर रहता है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

अपने विचार

कांग्रेस अपने कर्मों और नीतियों से हार रही है। कार्यकर्ता अपने नेतृत्व पर सवाल उठा रहे हैं। सवाल से बचने के लिए रैली का आयोजन किया गया है ताकि ध्यान भटक जाए और कोई सवाल नहीं पूछे। लेकिन इससे कुछ हासिल होने वाला नहीं है।

-शाहनवाज हुसैन
राष्ट्रीय प्रवक्ता, भाजपा

कांग्रेस ही नहीं, भाजपा के अंदर भी लोग इससे परेशान हैं। एनडीए के लोग भी परेशान हैं। आपने इसका पूरा चरित्र बदल दिया। ये डिमांड ड्रिवेन प्रोग्राम था, कमांड ड्रिवेन कर दिया। केंद्र और राज्य के बीच 90-10 का अनुपात था, 60-40 कर दिया।

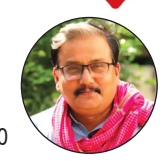

-मनोझ झा
नेता, आरजेडी

नेशनल हेराल्ड मामले में आरोप आधारहीन थे। यह मामला राजनीतिक द्वेष के साथ-साथ लापरवाही से भी भरा हुआ है। मनी लॉन्ड्रिंग के किसी मामले में पैसे या अचल संपत्ति का स्थानांतरण होना आवश्यक होता है।

-अभिषेक मनु सिंघवी
नेता, कांग्रेस

किसी के सारे काम गलत नहीं हो सकते। वहीं विपक्ष का काम है कि सही को क्रेडिट दे और गलत का विरोध करे। राजनीति में संकीर्ण मानसिकता वाले लोगों की जगह नहीं होनी चाहिए। यहां ऐसे लोगों की जरूरत है जो सत्ता का इस्तेमाल अपना रुतबा दिखाने के लिए नहीं बल्कि जानता की भलाई के लिए करें।

-अश्विनी कुमार
पूर्व नेता, कांग्रेस

अपने विचार

डीबीडी कार्यालय
ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001
indiagroundreport@gmail.com
भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज्मिेदार).

ब्रीफ न्यूज़

आशाराम टांक बने अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष

उल्हासनगर। उल्हासनगर में कांग्रेस की विचारधारा के प्रति निष्ठावान आशाराम इतवारी टांक को अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस में उनके सक्रिय और संघर्षपूर्ण कार्यों को देखते हुए राष्ट्रीय उपाध्यक्ष (राष्ट्रीय प्रवक्ता) नियुक्त किया गया है। वर्षों से वे उल्हासनगर मनपा के सफाई मजदूर वर्ग के अधिकारों और न्याय के लिए प्रशासन से संघर्ष कर रहे हैं। संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष गोविंदभाई परमार ने नियुक्ति पत्र जारी करते हुए संविधान के अनुरूप कार्य करने की अपेक्षा जताई है और चेतावनी भी दी है कि सिद्धांतों से हटने पर पद से मुक्त किया जा सकता है। टांक की इस नियुक्ति पर समाज, कर्मचारी वर्ग और मनपा अधिकारियों सहित विभिन्न स्तरों से उन्हें बधाइयाँ और शुभकामनाएँ दी जा रही हैं।

सेंचुरी रेयॉन प्राइमरी स्कूल में वार्षिक क्रीड़ा पुरस्कार समारोह

उल्हासनगर। शहाड़ स्थित सेंचुरी रेयॉन प्राइमरी स्कूल ने 17 दिसंबर 2025 को रामलीला मैदान में वार्षिक क्रीड़ा पुरस्कार समारोह उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया। इस अवसर पर कंपनी के एचआर प्रमुख श्रीकांत गोरे मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे और विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में विजेता विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। समारोह में विद्यार्थियों की खेल प्रतिभा की सराहना की गई तथा मुख्य अतिथि ने नियमित व्यायाम, अनुशासन और टीमवर्क के महत्व पर जोर देते हुए विद्यार्थियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। कार्यक्रम में प्राइमरी विभाग की मुख्याध्यापिका श्रीमती बबीता सिंह, पर्यवेक्षिका श्रीमती नीलम सिंह, सेकेंडरी विभाग की मुख्याध्यापिका वंदना भदाने और स्कूल के मुख्याध्यापक प्रकाश पांचाल सहित शिक्षक, कर्मचारी और अभिभावक उपस्थित रहे, जिनके सहयोग से यह आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

धारावी पुनर्विकास परियोजना के लिए कुछ लोगों का अस्थायी पुनर्वास जरूरी

डीआरपी और एसआरए के सीओ डॉ. महेंद्र कल्याणकर का स्पष्टीकरण

दीपक पवार । मुंबई

धारावी की अत्यधिक घनी आबादी और सीमित खाली ज़मीन को देखते हुए रीडेवलपमेंट कार्य शुरू करने के लिए कुछ इलाकों में टेम्परारी रिलोकेशन अनिवार्य हो गया है। धारावी रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट (डीआरपी) और स्लम रिहैबिलिटेशन अथॉरिटी (एसआरए) के सीईओ डॉ. महेंद्र कल्याणकर ने स्पष्ट किया कि यह प्रक्रिया कानून के प्रावधानों के तहत की जा रही है और इसका उद्देश्य निर्माण कार्य को गति देना है।

सम्मानजनक पुनर्वास का भरोसा

डॉ. कल्याणकर ने बताया कि शताब्दी नगर के पात्र निवासियों को एमएमआरडीए की ट्रांज़िशनल बिल्डिंग्स में सम्मान के साथ रिलोकेट किया जा रहा है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि धारावी का हर निवासी सुरक्षित, सम्मानजनक और बेहतर जीवन पाए, इसके लिए प्रोजेक्ट प्रशासन पूरी तरह प्रतिबद्ध है और ये अस्थायी इंतज़ाम पुनर्वास ढांचे को तेज़ी से पूरा करने में मददगार होंगे।

सीवेज लाइन और किराया सहायता

प्रोजेक्ट अधिकारियों ने बताया कि संबंधित 42 झोपड़ियों की जगह 1800 मिमी डायमीटर की सीवेज पाइपलाइन बिछाई जाएगी, जो सार्वजनिक स्वास्थ्य और स्वच्छता के लिए अत्यंत आवश्यक है। प्रभावित परिवारों को किराया सहायता और ब्रोकरेज सहायता दी जा रही है। भूतल पर पात्र आवासीय निवासियों को 18 हजार रुपये और पहली मंज़िल पर पात्र निवासियों को 15 हजार रुपये मासिक किराया दिया जा रहा है, जिसमें 12 महीने का किराया अग्रिम शामिल है।

बड़े प्रोजेक्ट का व्यापक लाभ

अधिकारियों के मुताबिक, धारावी रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट के तहत करीब 1.25 लाख घर बनाए जाएंगे, जिससे लगभग 10 लाख लोगों को लाभ होगा। डॉ. कल्याणकर ने कहा कि इतने बड़े और जटिल अर्बन रीजेनरेशन प्रोजेक्ट में कुछ कठिन निर्णय लेने पड़ते हैं और प्राथमिकता निर्माण के लिए आवश्यक ज़मीन उपलब्ध कराकर पुनर्वास के काम को जल्द शुरू करने की है।

नोटिस पर प्रोजेक्ट अधिकारियों की सफाई

डॉ. कल्याणकर ने सेक्टर-1 के गणेश नगर–मेघवाड़ी इलाके में लगभग 42 लोगों को दिए गए नोटिस पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि धारावी के लोग दशकों से बेहद खराब परिस्थितियों में रह रहे हैं। उन्होंने दोहराया कि रीडेवलपमेंट कोई विकल्प नहीं, बल्कि आवश्यकता है और कुछ लोगों का अस्थायी पुनर्वास पूरे प्रोजेक्ट को रोकने का कारण नहीं बन सकता।

आरटीआई नियमों पर विशेष प्रशिक्षण

डीबीडी संवाददाता । ठाणे

ज़िला परिषद, ठाणे ग्राम पंचायत डिवीज़न के अधिकारियों, पब्लिक इन्फॉर्मेशन ऑफिसर्स (PIO) और फर्स्ट अपीलेट अथॉरिटीज़ के लिए राइट टू इन्फॉर्मेशन (RTI) एक्ट के नियमों पर एक विशेष ट्रेनिंग प्रोग्राम आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण 17 दिसंबर 2025 को बी.जे. हाई स्कूल, ज़िला परिषद, ठाणे में दो सत्रों में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ, जिसमें भिवंडी, कल्याण और अंबरनाथ तहसील से बड़ी संख्या में अधिकारियों ने भाग लिया।

कानूनी प्रक्रियाओं पर विशेषज्ञ मार्गदर्शन

ट्रेनिंग के दौरान यशदा द्वारा उपलब्ध कराए गए एक्सपर्ट ट्रेनर्स, डायरेक्टर दादू बुले और आरटीआई विशेषज्ञ रेखा सालुंखे ने सूचना का अधिकार अधिनियम के विभिन्न सेक्शन, समय-सीमा, अपील प्रक्रिया, निर्णय लेखन और वास्तविक मामलों के आधार पर विस्तृत मार्गदर्शन दिया। कार्यक्रम में प्रोजेक्ट डायरेक्टर पंडित राठौड़, ग्रुप डेवलपमेंट ऑफिसर भिवंडी गोविंद खामकर, असिस्टेंट ग्रुप डेवलपमेंट ऑफिसर अंबरनाथ नीता खोत्रे सहित कई अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे।

पारदर्शी प्रशासन पर जोर

ट्रेनिंग में आरटीआई एक्ट के प्रभावी क्रियान्वयन, कानूनी जिम्मेदारियों, आम गलतियों से बचने और पारदर्शी व जवाबदेह प्रशासन के महत्व पर गहन चर्चा हुई। प्रतिभागियों ने अपने संदेहों पर संतोषजनक उत्तर मिलने की बात कही। आयोजकों ने विश्वास जताया कि इस प्रशिक्षण से पब्लिक इन्फॉर्मेशन ऑफिसर्स और फर्स्ट अपीलेट अथॉरिटीज़ का ज्ञान और आत्मविश्वास बढ़ेगा, जिससे भविष्य में सूचना के अधिकार कानून को और अधिक प्रभावी ढंग से लागू किया जा सकेगा।

महिलाओं के यौन उत्पीड़न की रोकथाम पर भुसावल मंडल में कार्यशाला

डीबीडी संवाददाता । भुसावल

रेलवे बोर्ड एवं मुख्यालय के निर्देशानुसार 17 दिसंबर 2025 को मध्य रेलवे के भुसावल मंडल में "कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न निवारण सप्ताह–2025" के अवसर पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मंडल रेल प्रबंधक श्री पुनीत अग्रवाल मुख्य अतिथि और अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री सुनीलकुमार सुमन विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। दोनों अधिकारियों ने कार्यशाला में महिलाओं के सुरक्षा अधिकारों और कार्यस्थल पर उत्पीड़न रोकने के उपायों पर मार्गदर्शन प्रदान किया।

कार्यशाला संचालन और सहभागिता

कार्यशाला की अध्यक्षता वरिष्ठ मंडल चिकित्सा अधिकारी डॉ. श्रीमती विनिला मेट्टापल्ली ने की और इसे मंडल कार्यालय के सभागृह "वसुधरा" में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में आंतरिक शिकायत समिति के सदस्य श्री विजय खैची, वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अधिकारी तथा सहायक नर्सिंग अधिकारी श्रीमती कमल अत्राम ने महिला कर्मचारियों के साथ महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। कार्यशाला की प्रस्तावना वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी श्री दिलीप खरात ने प्रस्तुत की, जबकि संचालन एवं धन्यवाद प्रस्ताव सहायक कार्मिक अधिकारी (कल्याण) श्री सुरेन्द्र हिवाले ने किया। सभी शाखाओं की महिला कर्मचारियों ने बड़ी संख्या में इस कार्यक्रम में भाग लेकर इसे सफल बनाया।

आईआईटी बॉम्बे में खुलेगा मुंबई का पहला जेन ज़ी पोस्ट ऑफिस

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

इंडिया पोस्ट 18 दिसंबर, 2025 को सुबह 11 बजे IIT बॉम्बे परिसर में मुंबई का पहला Gen Z-थीम वाला पोस्ट ऑफिस शुरू करने जा रहा है। यह पहल डाक विभाग के आधुनिकीकरण और युवाओं के साथ बेहतर जुड़ाव की दिशा में एक अहम कदम मानी जा रही है। दिल्ली, केरल, गुजरात, बिहार और आंध्र प्रदेश में Gen Z पोस्ट ऑफिस की सफलता के बाद मुंबई में इसका शुभारंभ युवाओं, छात्रों और डिजिटल नेटिव्स के लिए एक आधुनिक और अनुभवात्मक डाक सेवा मॉडल प्रस्तुत करेगा।

युवाओं के लिए डिजिटल सेवाएं और विशेष सुविधाएं

यह Gen Z पोस्ट ऑफिस मुफ्त वाई-फाई, कैफेटेरिया-शैली बैठने की व्यवस्था, मिनी लाइब्रेरी, संगीत कॉर्नर, डिजिटल QR-आधारित सेवाएं, आधार नामांकन-अपडेट, POSB योजना मार्गदर्शन और पार्सल-लॉजिस्टिक्स जागरूकता जैसी सुविधाएं प्रदान करेगा। साथ ही छात्रों के लिए स्पीड पोस्ट पर 10% और थोक पार्सल ग्राहकों के लिए 5% की विशेष छूट भी दी जाएगी। इंडिया पोस्ट का उद्देश्य डाकघर को एक जीवंत सामुदायिक केंद्र के रूप में स्थापित करना है, ताकि अगली पीढ़ी के लिए डाक सेवाएं अधिक प्रासंगिक, आकर्षक और सुलभ बन सकें।

उद्घाटन समारोह और विशेष डिज़ाइन

Gen Z पोस्ट ऑफिस का उद्घाटन महाराष्ट्र एवं गोवा सर्कल के मुख्य पोस्टमास्टर जनरल श्री अमिताभ सिंह और इंडिया पोस्ट (मुंबई क्षेत्र) की निदेशक सुश्री काइया अरोड़ा द्वारा, IIT बॉम्बे के रजिस्ट्रार की उपस्थिति में किया जाएगा। कूल और युवा-केंद्रित लुक के साथ तैयार इस पोस्ट ऑफिस का डिज़ाइन इंडिया पोस्ट की इन-हाउस टीम और IIT बॉम्बे के छात्रों के सहयोग से विकसित किया गया है, जिसमें रचनात्मकता, तकनीक और कार्यक्षमता का अनूठा संगम देखने को मिलेगा।

103 साल पुराने आरओबी को हटाया गया

डीबीडी संवाददाता । सोलापुर

मध्य रेलवे के सोलापुर मंडल ने 14 दिसंबर 2025 को 13 घंटे 30 मिनट का विशेष ट्रैफिक ब्लॉक सफलतापूर्वक संचालित किया। इस दौरान सूक्ष्म योजना, विभिन्न एजेंसियों के बीच बेहतर समन्वय और यात्रियों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई। पुराने ढांचे को हटाने के दौरान सामने आई चुनौतियों के बावजूद कार्य 12 घंटे 45 मिनट में पूरा कर लिया गया और सोलापुर यार्ड को सामान्य परिचालन के लिए खोल दिया गया। इस महत्त्वपूर्ण कार्य से पहले सभी प्रमुख हितधारकों—जनप्रतिनिधियों, नगर आयुक्त, पुलिस आयुक्त और राज्य सरकार के अधिकारियों—को विस्तृत जानकारी दी गई। राज्य सरकार के अधिकारियों ने आरओबी को शीघ्र हटाने की आवश्यकता को समझते हुए सोलापुर मंडल को पूर्ण सहयोग प्रदान किया। यह ट्रैफिक ब्लॉक सोलापुर यार्ड में स्थित 19.7 मीटर लंबे, वर्ष 1922 में निर्मित 103 साल पुराने रोड ओवर ब्रिज (आरओबी) को हटाने के लिए लिया गया था। समय के साथ यह संरचना भारी वाहनों के दबाव के कारण कमजोर हो चुकी थी। राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) ने भारतीय रेल के साथ समन्वय कर इस विघटन कार्य को अंजाम दिया, जिससे रेलवे की महत्वपूर्ण परिसंपत्तियों की सुरक्षा सुनिश्चित की गई।

सुरक्षा उपाय और तकनीकी प्रबंधन

कार्य के दौरान ओएचई इंस्टॉलेशन, विद्युत तार, पटरियां और पॉइंट्स की सुरक्षा के लिए व्यापक उपाय किए गए। ओएचई तारों को हटाने और पुनर्स्थापित करने के लिए 4 टावर वैगन/ओएचई निरीक्षण कारें तैनात की गईं। पटरियों और अन्य ढांचों को स्टील चैनल, सैंडबैग और प्लाईवुड से सुरक्षित किया गया। विघटन पूरा होते ही सभी सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए रेल यातायात बहाल किया गया।

भारी मशीनरी की तैनाती

आरओबी को हटाने के लिए अत्याधुनिक और भारी मशीनरी का उपयोग किया गया, जिसमें 225 टन और 200 टन क्षमता की 3 हाइड्रोलिक क्रेन, 3 एक्सकेवेटर ब्रेकर, 4 जेसीबी, 2 बॉबकैट, 2 लॉन्ग बूम एक्सकेवेटर, 3 हार्ड ब्रेकर, 3 ट्रैक्टर ब्रेकर और 4 ट्रैक्टर-ट्रॉली शामिल थे।

भायखला में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की शताब्दी वर्ष जाहीर सभा

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की भायखला–कामाठीपुरा–ताड़देव शाखा की ओर से पार्टी की शताब्दी वर्ष घोषणा सभा 14 दिसंबर 2025 को क्रॉस लेन, ना. म. जोशी मार्ग, भायखला, मुंबई में भव्य रूप से आयोजित की गई। सभा की अध्यक्षता भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी, मुंबई काउंसिल के सचिव कॉमरेड मिलिंद रानडे ने की। इस अवसर पर पार्टी के पदाधिकारी, कार्यकर्ता तथा विभिन्न संगठनों और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

फासीवादी राजनीति के खिलाफ संघर्ष का आह्वान

महाराष्ट्र काउंसिल के सचिव कॉमरेड सुभाष लांडे ने पार्टी के संघर्षपूर्ण इतिहास पर प्रकाश डालते हुए फासीवादी भाजपा सरकार के खिलाफ संघर्ष की आवश्यकता बताई। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार जाति तथा हिंदू–मुस्लिम विभाजन के जरिए राजनीति कर रही है और इस जहरीली राजनीति के विरुद्ध एकजुट होकर लड़ने का आह्वान किया। अध्यक्षीय भाषण में कॉमरेड मिलिंद रानडे ने कहा कि कम्युनिस्ट पार्टी ने सौ वर्षों से सिद्धांतनिष्ठ राजनीति की है और आगे भी फासीवादी ताकतों के खिलाफ इसी दृढ़ता से संघर्ष जारी रखना होगा।

इतिहास, संघर्ष और वैचारिक प्रतिबद्धता पर जोर

सभा के प्रमुख वक्ता डॉ. भालचंद्र मुणगेकर, पूर्व कुलगुरु (मुंबई विश्वविद्यालय), राज्यसभा सांसद एवं केंद्रीय योजना आयोग के सदस्य रहे। उन्होंने ब्रिटिश काल के कानपुर षड्यंत्र केस और गिरणी कामगार आंदोलन का उल्लेख करते हुए कम्युनिस्ट पार्टी के गौरवशाली इतिहास को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि ब्रिटिश शासन और बाद में कांग्रेस सरकार की दमनकारी नीतियों के बावजूद कम्युनिस्ट पार्टी कभी श्रमिकों और वंचितों के मुद्दों से विमुख नहीं हुई और पिछले 100 वर्षों से अपनी वैचारिक निष्ठा को बिना किसी समझौते के बनाए रखा है।

सम्मान समारोह और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

सभा में अनेक वरिष्ठ कम्युनिस्ट नेताओं और शहीद साथियों को "जीवन गौरव" एवं "जीवन गौरव – मरणोत्तर" सम्मान प्रदान किए गए। साथ ही 70 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ कम्युनिस्ट नेताओं और कार्यकर्ताओं को सम्मान चिह्न देकर पार्टी के प्रति उनकी निष्ठा का सम्मान किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से हुई, जिसमें लोकशाहीर अमर शेख और अण्णाभाऊ साठे के गीतों ने समां बांध दिया। बड़ी संख्या में मुंबई और आसपास के क्षेत्रों से आए नेताओं, कार्यकर्ताओं और नागरिकों ने इस ऐतिहासिक सभा की सराहना की।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष समाज में आपके कार्यों की आलोचना होगी। राजकीय सहयोग मिलेगा एवं इस क्षेत्र के व्यक्तियों से संबंध बढ़ेंगे। वाणी पर संयम रखें। दौड़धूप अधिक रहेगी। बुरी खबर मिल सकती है। वाणी पर नियंत्रण रखें। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं।

वृष विद्यार्थियों को प्रतियोगिता में सफलता मिलेगी। व्यापार अच्छा चलेगा। कार्य निर्णय बहुत शांति से विचार करके करना ही शुभ है। मेहनत सफल रहेगी। कार्य की प्रशंसा होगी। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। ऐश्वर्य के साधन मिलेंगे।

मिथुन नौकरी में मनचाही पदोन्नति मिलने के योग बनेंगे। स्वास्थ्य की ओर ध्यान दें। रुका धन मिलेगा। व्यापार में नए अनुबंध होंगे। पुराने मित्र व संबंधियों से मुलाकात होगी। उत्साहवर्धक सूचना मिलेगी। स्वाभिमान बना रहेगा।

कर्क धर्म के कार्यों में रुचि आपके मनोबल को ऊंचा करेगी। यात्रा, निवेश व नौकरी मनोनुकूल रहेंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। जोखिम न उठाएं। प्रसन्नता रहेगी। आर्थिक स्थिति में सुधार की संभावना है। व्ययों में कमी करना चाहिए।

सिंह दूसरों पर अतिविश्वास न करें। वस्तुएं संभालकर रखें। आपकी मिलनसारिता व धैर्यवान प्रवृत्ति आपके जीवन में आनंद का संचार करेगी। फालतू खर्च होगा। शारीरिक कष्ट संभव है। स्थायी संपत्ति में वृद्धि होगी। व्यापार अच्छा चलेगा।

कन्या व्यवसाय ठीक चलेगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रसन्नता रहेगी। सार्वजनिक कार्यों में समय व्यतीत होगा। डूबी हुई रकम प्राप्त होगी। संतान की ओर से शुभ समाचार मिलेंगे। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। रोजगार के क्षेत्र में उन्नति होगी।

तुला उत्तम मनोबल आपकी सभी समस्याओं को हल कर देगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। योजना फलीभूत होगी। नए अनुबंध होंगे, प्रयास करें। प्रसन्नता रहेगी। प्रतिष्ठित जनों से मेलजोल बढ़ेगा। व्यापार में नए प्रस्ताव मिलेंगे।

वृश्चिक अपनी वस्तुएं संभालकर रखें। जीवनसाथी से मतभेद। व्यवहारकुशलता से समस्या का समाधान हो सकेगा। राजकीय बाधा दूर होगी। पूजा-पाठ में मन लगेगा। व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा।

धनु विवाद को बढ़ावा न दें। कुसंगति से हानि होगी। आय कम होगी। नए संबंध लाभदायी सिद्ध होंगे। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता का विशेष योग है। व्यापारिक निर्णय जल्दबाजी में न लें।

मकर व्यवसाय ठीक चलेगा। चिंता रहेगी। प्रमाद न करें। परेशानियों का मुकाबला करके भी लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे। राजकीय बाधा दूर होगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। शिक्षा व ज्ञान में वृद्धि होगी। अधूरे पड़े काम पूरे होने के योग हैं।

कुंभ यात्रा, नौकरी व निवेश लाभदायक रहेंगे। व्यापार में कर्मचारियों पर अधिक विश्वास न करें। संपत्ति के कार्य लाभ देंगे। शत्रु परास्त होंगे। बेरोजगारी दूर होगी। आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी। संतान की शिक्षा संबंधी समस्या रह सकती है।

मीन व्यवसाय ठीक चलेगा। प्रसन्नता बनी रहेगी। आय में अधिक व्यय से मनोबल कमजोर पड़ सकता है। यात्रा मनोरंजक रहेगी। रचनात्मक कार्य सफल रहेंगे। कार्य, व्यवसाय के क्षेत्र में विभिन्न बाधाओं से मन अशांत रहेगा।

शिवलिंग पूजा में सावधानी: छोटी भूलें, बड़े दोष

प्रियंका जैन
9769994439

भगवान शिव की पूजा अत्यंत सरल मानी जाती है, लेकिन यह सरलता अनुशासन और श्रद्धा की मांग भी करती है। शिवलिंग केवल एक पूज्य प्रतीक नहीं, बल्कि वैराग्य, तप और संपूर्ण ब्रह्मांडीय चेतना का स्वरूप है। इसलिए शिवलिंग की पूजा करते समय कुछ ऐसी परंपराएँ हैं, जिनका पालन न करने से पूजा का फल कम हो सकता है। शास्त्रों और पुराणों में इन बातों का स्पष्ट उल्लेख मिलता है, जिन्हें जानना हर शिवभक्त के लिए आवश्यक है।

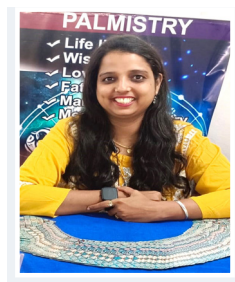

शिवलिंग पर हल्दी, कुमकुम या सिंदूर चढ़ाने की परंपरा नहीं है। हल्दी सौंदर्य, सौभाग्य और गृहस्थ जीवन की प्रतीक मानी जाती है, जिसका प्रयोग मुख्यतः मां पार्वती की पूजा में होता है। वहीं शिवलिंग त्याग, तपस्या और वैराग्य का प्रतीक है। शिव स्वयं औघड़ हैं, जिनका श्रृंगार सांसारिक सौभाग्य से नहीं, बल्कि भक्ति और ध्यान से होता है। यही कारण है कि शिवलिंग पर कुमकुम या सिंदूर अर्पित करना शास्त्रसम्मत नहीं माना गया है। इसी प्रकार तुलसी के पत्ते भी शिवलिंग पर नहीं चढ़ाए जाते। तुलसी को भगवान विष्णु की अत्यंत प्रिय माना गया है, लेकिन शिव पूजा में इसका निषेध है। पुराणों के अनुसार तुलसी पूर्व जन्म में जालंधर नामक असुर की पत्नी थी। जालंधर का वध भगवान शिव ने किया था, इसलिए तुलसी को शिव की पूजा में वर्जित बताया गया। यह कथा केवल एक कहानी नहीं, बल्कि पूजा की मर्यादा और भाव का संकेत देती है। शिवलिंग पर चढ़ाए जाने वाले चावल भी हमेशा साबुत होने चाहिए। टूटे या खंडित चावल अपूर्णता का प्रतीक माने जाते हैं। शिव पूर्णता और अखंडता के देवता हैं, इसलिए उनकी पूजा में कोई भी वस्तु टूटी-फूटी या अशुद्ध नहीं होनी चाहिए। साबुत अक्षत समर्पण का भाव दर्शाते हैं और पूजा को संपूर्ण बनाते हैं।

बहुत से लोग अनजाने में शंख से शिवलिंग पर जल अर्पित कर देते हैं, जबकि शास्त्रों में इसका भी निषेध बताया गया है। मान्यता है कि जालंधर असुर को शंख का रूप प्राप्त था, और शिव द्वारा उसके वध के कारण शंख से शिवलिंग पर जल चढ़ाना वर्जित माना गया। यह नियम पूजा की मर्यादा को बनाए रखने के लिए बताया गया है। सोमवार का दिन भगवान शिव को विशेष रूप से प्रिय है। इस दिन शिवलिंग की पूजा यदि विधिपूर्वक की जाए, तो मनोकामनाओं की पूर्ति का मार्ग प्रशस्त होता है। सोमवार की सुबह स्नान कर स्वच्छ वस्त्र धारण करें और शांत मन से शिवालय जाएं। सबसे पहले शिवलिंग पर शुद्ध जल अर्पित करें, क्योंकि जल शिव को अत्यंत प्रिय है। इसके बाद दूध, दही, घी, शहद और शक्कर से बने पंचामृत से अभिषेक करें। पंचामृत से अभिषेक के बाद पुनः शुद्ध जल से शिवलिंग को स्नान कराएं और चंदन अर्पित करें।

इसके पश्चात बेलपत्र, धतूरा, आक के फूल और श्रद्धा अनुसार भोग अर्पित करें। पूजा के दौरान मन, वाणी और कर्म से भगवान शिव का स्मरण करते हुए "ॐ नमः शिवाय" मंत्र का जाप करें। यह मंत्र केवल शब्द नहीं, बल्कि आत्मा को शिव तत्व से जोड़ने का माध्यम है। अंत में भगवान शिव की आरती कर पूजा को पूर्ण करें। शिव पूजा में आडंबर नहीं, बल्कि शुद्ध भाव और सही विधि सबसे महत्वपूर्ण होती है। जब श्रद्धा के साथ शास्त्रसम्मत पूजा की जाती है, तब भोलेनाथ शीघ्र प्रसन्न होते हैं और भक्त के जीवन से कष्ट, भय और बाधाएं स्वतः दूर हो जाती हैं।

न्यूज़ ब्रीफ

किराए के फ्लैट में देह व्यापार, युवती समेत छह गिरफ्तार

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले के बारादरी थाना क्षेत्र में किराये के एक फ्लैट में चल रहे देह व्यापार का पुलिस ने भंडाफोड़ किया है। मंगलवार देर रात की गई छापेमारी में पुलिस ने एक युवती समेत छह लोगों को गिरफ्तार किया है। मौके से आपत्तिजनक सामग्री भी बरामद की गई है। सीओ तृतीय पंकज श्रीवास्तव ने बुधवार को बताया कि डोहरा रोड स्थित महेंद्र नगर कॉलोनी के एक किराये के फ्लैट में देह व्यापार की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर बारादरी थाना प्रभारी धनंजय पाण्डेय के नेतृत्व में पुलिस टीम ने फ्लैट पर छापा मारा। कार्रवाई के दौरान अफरा-तफरी मच गई, हालांकि पुलिस ने घेराबंदी कर सभी आरोपितों को पकड़ लिया। पूछताछ में युवती ने स्वीकार किया कि वह ग्राहकों को उक्त फ्लैट में लाकर देह व्यापार कराती थी और प्रति ग्राहक 500 से 2,000 रुपये तक की वसूली की जाती थी। सीओ ने बताया कि गिरफ्तार युवक शहर के विभिन्न इलाकों के निवासी हैं। पुलिस ने सभी आरोपितों के खिलाफ संबंधित गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

शराब पार्टी में दोस्तों ने ईंट के कुचलकर मार डाला

उरई। उत्तर प्रदेश के जालौन जनपद के उरई कोतवाली क्षेत्र में शराब पार्टी के दौरान हुए विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। नशे में हुए झगड़े के दौरान तीन दोस्तों ने मिलकर एक साथी की ईंट से कुचलकर हत्या कर दी। क्षत-विक्षत हालत में शव मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार बघौरा मोहल्ला निवासी महेंद्र जाटव मंगलवार रात अपने दोस्तों अल्ताफ, राजा और जीशान के साथ शराब पार्टी करने निकला था। देर रात करीब 11 बजे चारों को मरघट के सामने मैदान में बैठकर शराब पीते देखा गया। रात करीब 12 बजे नशे की हालत में किसी बात को लेकर आपसी कहासुनी हो गई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। आरोप है कि पहले जीशान ने महेंद्र के सिर पर ईंट से हमला किया, इसके बाद अल्ताफ और राजा ने भी ईंटों से ताबड़तोड़ वार कर दिए, जिससे महेंद्र की मौके पर ही मौत हो गई।

होटल से नाबालिग संग दो युवक गिरफ्तार

उरई। उत्तर प्रदेश के जालौन जिले में कोच कोतवाली क्षेत्र के दो होटल में पुलिस ने बुधवार को छापा मारा। पुलिस ने एक नाबालिग लड़की और दो युवकों को हिरासत में लिया है। वहीं, लड़की के भाई ने दोनों युवकों पर बहन को अगवा कर उसे होटल में ले जाने को लेकर कोतवाली में शिकायती पत्र दिया है। कोतवाल अजीत सिंह ने बताया कि शिकायत मिलने के बाद कोतवाली क्षेत्र में होटल कान्हा इन और होटल अभिलाषा में छापेमारी की गई। इस दौरान दो होटलों में आपत्तिजनक हालत में युवक-युवतियां मिलीं। पुलिस को देख कर युवक-युवतियां मौके से फरार हो गए। पुलिस ने नाबालिग लड़की और दो युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी। घटना की जानकारी पर पहुंचे लड़की के भाई ने दोनों युवकों पर बहन को अगवा कर उसे होटल में ले जाने की शिकायती पुलिस

माता-पिता के पांच टुकड़े कर गोमती नदी में फेंका

- हत्या के बाद आरोपी ने माता-पिता को खोजने का किया नाटक
- आलाकत्ल सिलबट्टा और आरी बरामद, हत्यारा बेटा गिरफ्तार

एजेंसी । जौनपुर

उत्तर प्रदेश के जौनपुर जिले के जफराबाद थाना क्षेत्र में रिश्तों को शर्मसार कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां इकलौते बेटे ने अपने माता-पिता की हत्या कर उनके शवों के टुकड़े कर गोमती नदी में फेंक दिए। वारदात के बाद आरोपी फरार हो गया था, जिसे बाद में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, आरोपी के दूसरे संप्रदाय में विवाह को लेकर माता-पिता उससे नाराज थे, जिसे हत्या की प्रमुख वजह माना जा रहा है बुधवार को मामले का खुलासा करते हुए अपर पुलिस अधीक्षक नगर आयुष श्रीवास्तव ने बताया कि आरोपी अम्बेश ने पूछताछ में स्वीकार किया है कि 8 दिसंबर की रात पारिवारिक कारणों और पैसों को लेकर उसके माता-पिता से विवाद हुआ था। इसी दौरान उसने गुस्से में आकर पहले मां और फिर पिता की ह त्या कर दी। इसके बाद उसने शवों के टुकड़े किए, रातभर घर की सफाई की और सुबह करीब पांच बजे शवों को बोरी में भरकर वाहन से बेलवा घाट पहुंचकर गोमती नदी में फेंक दिया। पुलिस ने बताया कि घटना के बाद आरोपी सामान्य व्यवहार करता रहा और 9 दिसंबर को माता-पिता को खोजने का नाटक भी किया।

बेरहमी से किए तीन-तीन टुकड़े

उसने बताया कि 8 दिसंबर की रात आठ बजे रुपयों को लेकर पिता से हाथापाई हुई थी। इससे वह आग बबूला हो गया था। इसके बाद पहले माता और फिर पिता के सिर पर सिलबट्टे से वार किया। दोनों जमीन पर गिर पड़े। दोनों जमीन पर गिर पड़े।

शवों की तलाश में जुटी गोताखोरों की टीम

इस बीच वाराणसी जनपद के सिंधौरा थाना क्षेत्र निवासी उसकी बहन वंदना ने किसी अनहोनी की आशंका जताते हुए जफराबाद थाने में माता-पिता और भाई की गुमशुदगी दर्ज कराई। शिकायत के बाद पुलिस ने जांच तेज की और संदिग्ध गतिविधियों के आधार पर आरोपी को हिरासत में लिया। कड़ाई से पूछताछ में उसने पूरी वारदात कबूल कर ली। अपर पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पुलिस ने घटना में प्रयुक्त सिलबट्टा और आरी बरामद कर ली है। पिता का शव बरामद कर लिया गया है, जबकि मां के शव की तलाश जारी है। इसके लिए 15 गोताखोरों की टीम लगाई गई है। अभी तक किसी सीसीटीवी कैमरे की फुटेज नहीं मिली है।

जमशेदपुर में लोको पायलट थे श्याम बहादुर

पुलिस के अनुसार मृतक श्यामबहादुर केराकत के खरगसेनपुर गांव के निवासी थे और टाटा जमशेदपुर में रेलवे में लोको पायलट के पद पर कार्यरत थे। उनकी तीन बेटियां और एक इकलौता बेटा अम्बेश था। करीब पांच वर्ष पूर्व अम्बेश ने दूसरे संप्रदाय की युवती से विवाह किया था, जिसे माता-पिता ने स्वीकार नहीं किया था। इसी पारिवारिक तनाव के चलते यह जघन्य वारदात हुई। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने शवों को ठिकाने लगाने के लिए उसी कार का इस्तेमाल किया, जिसे उसने पिता के पैसों से खरीदा था। मामले की गहन जांच जारी है और फोरेंसिक टीम घर व वाहन की जांच में जुटी हुई है।

वन रेंज के गुराईपुर गांव में चहलकदमी कर रहा बाघ

वन विभाग ने लगाया पिंजरा, कैमरे से ट्रेस की जा रही लोकेशन

एजेंसी । सीतापुर

सीतापुर वन रेंज के गुराईपुर गांव सहित आसपास के क्षेत्रों में बाघ की लगातार चहलकदमी से ग्रामीणों में भय का माहौल है। स्थिति को देखते हुए वन विभाग ने बुधवार को सरायन नदी के पास बाघ को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाया है। वन विभाग की कॉम्बिंग के दौरान क्षेत्र में बाघ के ताजे पगचिह्न मिले हैं। बताया गया कि सरायन नदी के आसपास के करीब एक दर्जन गांवों के खेतों में पिछले एक माह से वन्यजीव की सक्रियता बनी हुई है। हाल ही में बाघ द्वारा एक नीलगाय का शिकार किए जाने की भी पुष्टि हुई है।

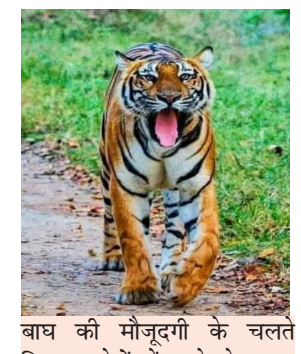

बाघ की मौजूदगी के चलते किसान खेतों में जाने से कतरा रहे हैं, जिससे खेती-किसानी प्रभावित हो रही है। रेंजर सुयश श्रीवास्तव ने बताया कि बाघ की गतिविधियों वाले क्षेत्र में पिंजरा लगाया गया है। बाघ की लोकेशन ट्रेस करने के लिए कैमरे भी लगाए गए हैं और लगातार निगरानी की जा रही है। उन्होंने जल्द ही बाघ को सुरक्षित पकड़ लिए जाने की उम्मीद जताई है।

ड्रीम इलेवन से जुड़े अनुराग के ठिकाने पर ED की रेड

उन्नाव। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बुधवार को उत्तर प्रदेश के उन्नाव जिले में अनुराग द्विवेदी के ठिकानों पर छापा मारा। अनुराग ड्रीम इलेवन से जुड़े थे। यह कार्रवाई आय से अधिक संपत्ति और कथित सट्टेबाजी से जुड़े मामले में की गई। दस वाहनों में पहुंची ईडी की 16 सदस्यीय टीम ने एक साथ अनुराग के पैतृक गांव भितरेपार खजूर और नवाबगंज कस्बे में छापा मारा।

इसके बाद टीम ने कस्बे में रहने वाले चाचा नपेन्द्र नाथ द्विवेदी से पूछताछ कर उनके घर की छानबीन की। हालांकि, ईडी के किसी भी अधिकारी ने छापेमारी को लेकर आधिकारिक तौर पर कोई पुष्टि या बयान नहीं दिया है।

'स्कैन टू फिक्स' तकनीक से रोशन होगा माघ मेला

प्रयागराज के माघ मेले में पहली बार स्मार्ट और हाईटेक बिजली व्यवस्था

एजेंसी । प्रयागराज

संगम तट पर 3 जनवरी से शुरू होने वाले माघ मेले को इस बार स्मार्ट और हाईटेक सुविधाओं से लैस किया जा रहा है। 44 दिनों तक चलने वाले इस आस्था के महाकुंभ में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए बिजली विभाग ने व्यापक और आधुनिक तैयारियां की हैं। 800 हेक्टेयर में फैले मेला क्षेत्र में पहली बार 'स्कैन टू फिक्स' तकनीक का प्रयोग किया जा रहा है, जिससे बिजली से जुड़ी समस्याओं का त्वरित समाधान संभव हो सकेगा। बिजली विभाग के अधिशासी अभियंता (माघ मेला) अशोक कुमार शर्मा ने बताया कि मेला क्षेत्र में 350 किलोमीटर लंबी एलटी लाइन बिछाई जानी है, जिसमें से 320 किलोमीटर लाइन का कार्य पूरा हो चुका है।

10 सेकंड में आ जाएगी बिजली

बिजली आपूर्ति को और अधिक मजबूत बनाने के लिए इस बार मेला क्षेत्र में पांच रिंग मेन यूनिट (आरएमयू) लगाई जा रही हैं, जबकि पिछले मेले में केवल एक आरएमयू थी। इससे बिजली गुल होने की स्थिति में महज 10 सेकंड के भीतर आपूर्ति बहाल की जा सकेगी।

आज बंद रहेगी देवरनियाँ–बहेड़ी क्रासिंग

एजेंसी । बरेली।

पूर्वोत्तर रेलवे के इज्जतनगर मंडल में रेल पथ की मरम्मत एवं ओवरहॉलिंग कार्य के चलते देवरनियाँ–बहेड़ी रेलवे स्टेशनों के बीच स्थित अकराबाद/मुड़िया अड्डा पर समपार संख्या 27/ए को 18 दिसंबर को अस्थायी रूप से बंद रखा जाएगा। यह समपार सुबह 8 बजे से शाम 6 बजे तक सड़क यातायात के लिए बंद रहेगा। रेल प्रशासन के अनुसार इस दौरान रेल पथ की मरम्मत का कार्य किया जाएगा। सड़क यातायात के लिए समपार संख्या 28/स्पेशल (फैक्ट्री गेट, बहेड़ी) और समपार संख्या 29/सी केशमपुरम को वैकल्पिक मार्ग के रूप में उपयोग करने की अपील की गई है।

कफ सिरप तस्करी: 10 हजार का इनामिया गिरफ्तार

सोनभद्र एसआईटी ने सत्यम कुमार को राबर्ट्सगंज से दबोचा

एजेंसी । सोनभद्र

करोड़ों रुपये के कफ सिरप तस्करी प्रकरण में सोनभद्र एसआईटी को बड़ी सफलता मिली है। टीम ने 10 हजार रुपये के इनामी आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक अभिषेक वर्मा ने बुधवार को बताया कि वाराणसी के गोला दिनानाथ क्षेत्र निवासी सत्यम कुमार को राबर्ट्सगंज के चंडी तिराहे से गिरफ्तार किया गया है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए 10 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

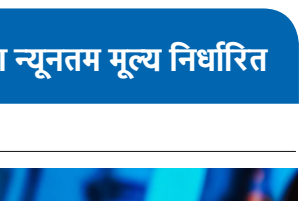

बुआ के बेटे ने खुलवाई दुकान

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि पूछताछ में आरोपी ने खुलासा किया कि उसकी बुआ के बेटे रवि गुप्ता, निवासी नई बाजार भदोही, ने उसके नाम पर 'मां कृपा मेडिकल' तथा उसके भाई विजय गुप्ता के नाम पर 'शिविक्षा फार्मा' की स्थापना कराई थी। दोनों फर्मों के लिए ग्राम बरकरा, रॉबर्ट्सगंज में किराये पर दुकान लेकर जनवरी 2024 में औषधि निरीक्षक कार्यालय से ड्रग लाइसेंस बनवाया गया था। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है।

व्यापार जगत

टैरिफ के जरिए वैश्विक व्यापार को बना रहे हथियार: निर्मला सीतारमण

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि टैरिफ (शुल्क) और अन्य नीतिगत उपायों के माध्यम से वैश्विक व्यापार को तेजी से हथियार के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। ऐसे परिवेश में भारत को अत्यंत सावधानी के साथ आगे बढ़ने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि देश की समग्र आर्थिक मजबूती ही भारत को इस चुनौतीपूर्ण वैश्विक परिदृश्य में अतिरिक्त बढ़त दिलाएगी। नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वित्त मंत्री ने कहा कि वैश्विक स्तर पर अब यह पूरी तरह स्पष्ट हो चुका है कि व्यापार न तो पूरी तरह स्वतंत्र है और न ही निष्पक्ष। उन्होंने कहा कि केवल शुल्क संबंधी मुद्दों पर ध्यान देना पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि भारत को व्यापक रणनीति के साथ बातचीत करनी होगी। निर्मला सीतारमण ने कहा कि भारत पर अक्सर यह आरोप लगाए जाते हैं कि वह अंतर्मुखी है या शुल्क पर अत्यधिक निर्भर रहता है, जबकि वास्तविकता यह है कि शुल्क का दुरुपयोग कई देशों द्वारा व्यापारिक हथियार के रूप में किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत का कभी भी शुल्क को हथियार बनाने का इरादा नहीं रहा है।

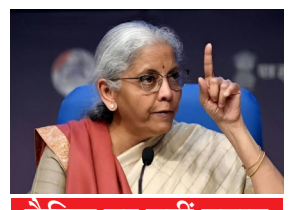

टैरिफ पर नहीं उठाए जाते सवाल

वित्त मंत्री ने चिंता जताई कि आज वैश्विक स्तर पर व्यापार को हथियार बनाने की प्रवृत्ति बिना किसी आलोचना के स्वीकार की जा रही है। कुछ देश शुल्क बढ़ाने के खिलाफ बोलते हैं, लेकिन वहीं अचानक नए टैरिफ अवरोध खड़े कर दिए जाते हैं, जिस पर सवाल नहीं उठाए जाते। उन्होंने इसे वैश्विक व्यापार व्यवस्था का 'नया सामान्य' करार दिया।

दो लाख रुपये से नीचे आई चांदी

सर्राफा बाजार में चांदी के दाम धड़ाम

एजेंसी । नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में मंगलवार को चांदी की कीमतों में तेज गिरावट दर्ज की गई। चांदी के भाव में 4,100 से 4,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक की कमजोरी आई, जिससे चेन्नई और हैदराबाद को छोड़कर देश के अधिकांश बाजारों में चांदी एक बार फिर 2 लाख रुपये प्रति किलो के स्तर से नीचे आ गई। कीमतों में गिरावट के बाद विभिन्न सर्राफा बाजारों में चांदी 1,98,800 रुपये से लेकर 2,10,900 रुपये प्रति किलोग्राम के दायरे में कारोबार करती दिखी। दिल्ली में चांदी 4,100 रुपये गिरकर 1,99,000 रुपये प्रति किलो पर पहुंच गई। मुंबई, अहमदाबाद और कोलकाता में इसके भाव 1,98,800 रुपये प्रति किलो रहे। जयपुर, सूरत और पुणे में चांदी 1,99,100 रुपये, जबकि बेंगलुरु में 1,99,300 रुपये प्रति किलो दर्ज की गई।

गिरावट के बावजूद 2.1 लाख में बिक्री

देश में चांदी के सबसे ऊंचे भाव अब भी चेन्नई और हैदराबाद में बने हुए हैं, जहां गिरावट के बावजूद यह धातु 2 लाख रुपये से ऊपर 2,10,900 रुपये प्रति किलो पर बनी हुई है। बाजार विशेषज्ञों के अनुसार आने वाले दिनों में चांदी के भाव में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों को लेकर जारी अटकलों का असर कीमती धातुओं पर पड़ सकता है। हालांकि, सोलर उद्योग सहित मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में बढ़ती मांग के चलते लंबी अवधि में चांदी की कीमतों में मजबूती की संभावना जताई जा रही है।

IOB की तीन फीसद हिस्सेदारी बेच रही सरकार

ओएफएस के जरिए बिक्री पेशकश शुरू, शेयर का न्यूनतम मूल्य निर्धारित

एजेंसी । नई दिल्ली

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) में सरकार द्वारा प्रस्तावित बिक्री पेशकश (ओएफएस) बुधवार को गैर-खुदरा निवेशकों के लिए खुल गई। ओएफएस के तहत न्यूनतम मूल्य 34 रुपये प्रति शेयर तय किया गया है। खुदरा निवेशकों के लिए यह पेशकश गुरुवार को खुलेगी। ओएफएस की घोषणा के बाद आईओबी के शेयरों में बिकवाली का दबाव देखा गया। बैंक का शेयर बीएसई पर शुरुआती कारोबार में करीब 5.4 फीसदी टूट गया और इंट्रा-डे में 34.57 रुपये प्रति शेयर के निचले स्तर तक पहुंच गया। मंगलवार को आईओबी का शेयर 36.57 रुपये पर बंद हुआ था। निवेश एवं सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के अनुसार सरकार ओएफएस के जरिये आईओबी में तीन फीसदी तक हिस्सेदारी बेचकर करीब 1,960 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखती है। बैंक की ओर से दी गई जानकारी के मुताबिक, मूल पेशकश में दो फीसदी हिस्सेदारी के बराबर 38.51 करोड़ शेयर बेचे जाएंगे। इसके अलावा 'ग्रीन शू' विकल्प के तहत अतिरिक्त एक फीसदी यानी 19.25 करोड़ शेयर बेचने का विकल्प भी रखा गया है।

कर्मचारी भी खरीद सकेंगे हिस्सेदारी

आईओबी ने बताया कि ओएफएस के तहत करीब 1.5 लाख शेयर पात्र कर्मचारियों के लिए आरक्षित किए जा सकते हैं। पात्र कर्मचारी अधिकतम पांच लाख रुपये तक के शेयरों के लिए आवेदन कर सकेंगे। गौरतलब है कि यह विनिवेश न्यूनतम सार्वजनिक हिस्सेदारी नियमों के अनुरूप किया जा रहा है, जिसके तहत सूचीबद्ध कंपनियों में कम से कम 25 फीसदी शेयर जनता के पास होना अनिवार्य है। फिलहाल इंडियन ओवरसीज बैंक में सरकार की हिस्सेदारी 94.61 फीसदी है। पूंजी बाजार नियामक सेबी ने सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों को इस मानक को पूरा करने के लिए अगस्त 2026 तक की छूट दी है।

नये अवसर खोलेगा भारत–ओमान मुक्त व्यापार समझौता: पीयूष गोयल

द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग को मिलेगी नई ऊंचाई

एजेंसी । मस्कट

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि भारत–ओमान मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) कपड़ा, खाद्य प्रसंस्करण, ऑटोमोबाइल, रत्न एवं आभूषण, कृषि रसायन, नवीकरणीय ऊर्जा और ऑटो कंपोनेंट्स सहित कई प्रमुख क्षेत्रों में नए अवसर सृजित करेगा। उन्होंने भारत और ओमान के बीच सदियों पुराने समुद्री और व्यापारिक संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा कि यह समझौता द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग को नई ऊंचाई देगा। बुधवार को मस्कट में भारत–ओमान बिजनेस फोरम को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा कि ओमान की भौगोलिक स्थिति इसे गल्फ कोऑपरेशन काउंसिल (जीसीसी), पूर्वी यूरोप, मध्य एशिया और अफ्रीका का महत्वपूर्ण प्रवेश द्वार बनाती है, जिससे भारतीय कारोबार को बेहतर बाजार पहुंच मिलेगी। उन्होंने प्रस्तावित एफटीए को दोनों देशों के संबंधों में एक अहम पड़ाव बताते हुए कहा कि यह लगभग दो दशकों में ओमान का पहला मुक्त व्यापार समझौता होगा।

इस अवसर पर ओमान के वाणिज्य, उद्योग एवं निवेश संवर्धन मंत्री कैस अल यूसुफ ने कहा कि भारत ओमान का तीसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार बनकर उभरा है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2020 से ओमान में भारतीय निवेश तीन गुना से अधिक बढ़कर पांच अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया है।

शेयर में बाजार लगातार तीसरे दिन गिरावट

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार आज लगातार तीसरे दिन कमजोरी के साथ बंद हुआ। शुरुआती तेजी के बावजूद मुनाफा वसूली के दबाव से सेंसेक्स 0.14 प्रतिशत और निफ्टी 0.16 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। मेटल, ऑयल एंड गैस और आईटी सेक्टर के शेयरों में खरीदारी देखने को मिली, जबकि रियल्टी, डिफेंस, एफएमसीजी, बैंकिंग और ऑटो शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा।

रिलायंस जियो ने हैप्पी न्यू ईयर 2026 ऑफर्स लॉन्च किए

5G, ओटीटी और एआई अनुभव एक साथ

एजेंसी । मुंबई

रिलायंस जियो ने नए साल 2026 के मौके पर अपने हैप्पी न्यू ईयर 2026 ऑफर्स की घोषणा की है। इन ऑफर्स के ज़रिए जियो ने एक बार फिर किफायती दामों पर उन्नत डिजिटल सेवाएं उपलब्ध कराने की अपनी प्रतिबद्धता को मज़बूत किया है। लंबी वैधता, अनलिमिटेड 5जी और प्रीमियम ओटीटी कंटेंट के साथ ये प्लान देशभर के करोड़ों ग्राहकों को बेहतर कनेक्टिविटी और एंटरटेनमेंट का अनुभव देने के उद्देश्य से पेश किए गए हैं। हैप्पी न्यू ईयर 2026 ऑफर्स के माध्यम से जियो ने कनेक्टिविटी, एंटरटेनमेंट और एआई को एक साथ जोड़ते हुए एक समग्र डिजिटल इकोसिस्टम को मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ाया है।

3599 का हीरो एनुअल रिचार्ज: पूरे साल निर्बाध कनेक्टिविटी

हैप्पी न्यू ईयर 2026 ऑफर्स के तहत जियो ने 3599 का हीरो एनुअल रिचार्ज पेश किया है। इस प्लान में 365 दिनों की वैधता के साथ अनलिमिटेड 5G, 2.5 GB प्रतिदिन हाई-स्पीड डेटा, अनलिमिटेड वॉयस कॉल और 100 एसएमएस प्रतिदिन मिलते हैं। इसके साथ गूगल जेमिनी का 18 महीने का Pro Plan भी दिया जा रहा है, जिसकी अनुमानित कीमत 35,100 बताई गई है।

500 का सुपर सेलिब्रेशन मंथली प्लान

जियो का 500 सुपर सेलिब्रेशन मंथली प्लान 28 दिनों की वैधता के साथ अनलिमिटेड 5G, 2 GB प्रतिदिन डेटा और कॉलिंग सुविधाएं देता है। इस प्लान की खास बात यह है कि इसमें यूट्यूब प्रीमियम, जियो हॉटस्टार, अमेज़न प्राइम वीडियो मोबाइल एडिशन, सोनी लिव जी5 समेत 15 से अधिक लोकप्रिय ओटीटी प्लेटफॉर्म्स का एक्सेस शामिल है।

अब परमाणु ऊर्जा में होगी निजी एंट्री!

- परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में निजी भागीदारी के प्रावधान वाले विधेयक को लोकसभा की मंजूरी
- सत्तापक्ष का विरोध करने में विपक्षी सदस्य कर रहे हैं अपने समय के प्रावधानों का विरोध: जितेंद्र सिंह

नई दिल्ली। लोकसभा में देश की कुल ऊर्जा जरूरतों में परमाणु ऊर्जा की भागीदारी बढ़ाने से जुड़ा विधेयक बुधवार को ध्वनिमत से पारित कर दिया गया। विधेयक परमाणु विज्ञान और प्रौद्योगिकी में नवाचार को प्रोत्साहित करने और इसके उपयोग को गैर विद्युत क्षेत्र तक बढ़ाने के लिए है। विधेयक निजी क्षेत्र के द्वार नाभीकीय ऊर्जा क्षेत्र के लिए खोलेगा। केंद्रीय मंत्री जितेन्द्र सिंह ने आज सतत दोहन और भारत के रुपांतरण के लिए नाभिकीय ऊर्जा का संधारणीय दोहन एवं अभिवर्धन विधेयक, 2025 या शांति विधेयक (सस्टेनेबल हार्नेसिंग एंड एडवांसमेंट ऑफ न्यूक्लियर एनर्जी फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया) विचार एवं पारित करने के लिए पेश किया।

पुराने कानूनों का स्थान लेगा नया अधिनियम

उल्लेखनीय है कि विधेयक से बनने वाला अधिनियम परमाणु ऊर्जा अधिनियम, 1962 और परमाणु नुकसान के लिए सिविल दायित्व अधिनियम, 2010 का स्थान लेगा। प्रस्तावित कानून का उद्देश्य सार्वजनिक-निजी भागीदारी और संयुक्त उद्यम के माध्यम से सार्वजनिक और निजी खिलाड़ियों की भागीदारी को प्रोत्साहित करना और बड़े पैमाने पर छोटे मॉड्यूलर रिएक्टरों की तैनाती को बढ़ावा देना है।

विधेयक पर चर्चा और सरकार का पक्ष

विधेयक पर चली लम्बी चर्चा के बाद केन्द्रीय मंत्री डॉ जितेन्द्र सिंह ने चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि इस विधेयक का उद्देश्य भारत के परमाणु ऊर्जा कानूनों का आधुनिकीकरण करना और इस क्षेत्र को सबके लिए सुलभ बनाना है।

उन्होंने कहा कि यह कोई नया विधेयक नहीं है। हमने इसमें केवल कुछ पहलुओं में संशोधन किया है। यह विधेयक देश के विकास पथ को नई दिशा देगा। विधेयक की धारा 9 व्यक्तियों को नवाचार और अनुसंधान करने की अनुमति देती है। एक अन्य धारा सरकार को सुरक्षा कारणों से कुछ कंपनियों की भागीदारी प्रतिबंधित करने का अधिकार देती है।

विपक्ष पर मंत्री का बयान

डॉ सिंह ने कहा कि कई विपक्षी दल विधेयक को पूरी तरह पढ़े बिना ही उसका विरोध कर रहे हैं। हमारी सरकार ने विधेयक को ठीक से परिभाषित किया है और इसमें शामिल निजी पक्षों को अधिक अधिकार और स्वतंत्रता दी है। विधेयक सुरक्षा, संरक्षा, सुरक्षा उपायों, गुणवत्ता आश्वासन और आपातकालीन तैयारियों से संबंधित तंत्रों को मजबूत करता है।

ये एक खतरनाक कदम : कांग्रेस सांसद शशि थरूर

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने बुधवार को सरकार के परमाणु ऊर्जा विधेयक को पर्याप्त सुरक्षा उपायों के बिना उठाया गया एक खतरनाक कदम बताया। शशि थरूर ने जोर देकर कहा कि पैसों की लालसा को जन सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और पीड़ितों को न्याय की जरूरत पर हावी नहीं होने दिया जा सकता है। लोकसभा में सस्टेनेबल हार्नेसिंग एंड एडवांस्डमेंट ऑफ न्यूक्लियर एनर्जी फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया-2025 (शांति) विधेयक पर बहस में कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने हिस्सा लिया। उन्होने दावा किया कि प्रस्तावित कानून अपवादों से भरा हुआ है, इसमें विवेकाधिकार बहुत ज्यादा है और यह काफी हद तक जन कल्याण के प्रति उदासीन है। उन्होंने कहा, 'मुझे यकीन नहीं है कि यह परमाणु विधेयक है या कोई अस्पष्ट विधेयक।' पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि शांति विधेयक अपर्याप्त सुरक्षा उपायों के साथ निजीकृत परमाणु विस्तार की दिशा में एक खतरनाक कदम है। तिरुवनंतपुरम से सांसद थरूर ने कहा, 'शांति नाम का अर्थ है शांति और स्थिरता। आइए सुनिश्चित करें कि यह नाम एक रोकी जा सकने वाली आपदा के बाद एक क्रूर विडंबना न बन जाए। भारत को बदलने के वादे को भारत को कलंकित करने के जोखिम से नहीं जोड़ना चाहिए।'

निरसन एवं संशोधन विधेयक 2025 पारित

नई दिल्ली। संसद ने बुधवार को 71 पुराने और अप्रासंगिक कानूनों को रद्द (निरस्त) या संशोधित करने वाला विधेयक पारित कर दिया। इसका मकसद आम नागरिकों की जीवन को आसान बनाना और कानूनी प्रक्रिया को सरल करना है। यह निरसन एवं संशोधन विधेयक 2025 पहले लोकसभा में पारित हुआ था और बुधवार को राज्यसभा में ध्वनि मत से मंजूरी मिल गई। इससे पहले इसे लोकसभा ने मंजूरी दी थी।

क्या बोले कानून मंत्री?

विधेयक पेश करते हुए केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि सरकार का लक्ष्य सिर्फ व्यापार करने में आसानी ही नहीं, बल्कि जीवन जीने में आसानी यानी आम लोगों का जीवन आसान बनाना भी है। उन्होंने बताया कि समय के साथ जो कानून बेकार हो चुके हैं या जिनमें त्रुटियां हैं, उन्हें हटाना जरूरी है। उन्होंने भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम, 1925 का उदाहरण देते हुए कहा कि पहले कुछ धर्मों के लोगों को वसीयत के लिए अदालत से सत्यापन कराना पड़ता था, जबकि मुसलमानों पर यह नियम लागू नहीं था। मेघवाल ने कहा, 'संविधान धर्म, जाति और लिंग के आधार पर भेदभाव की इजाजत नहीं देता।

बांग्लादेश को भारत ने दिया झटका, ढाका में वीजा सेंटर किया बंद

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका स्थित भारतीय वीजा आवेदन केंद्र (आईवीएसी) ने मौजूदा सुरक्षा स्थिति को देखते हुए बुधवार को अपना ऑफिस बंद कर दिया। ढाका के जमुना फ्यूचर पार्क (जेएफपी) में स्थित आईवीएसी राजधानी में सभी भारतीय वीजा सेवाओं के लिए मुख्य एवं एकीकृत केंद्र है। आईवीएसी ने एक बयान में कहाकि मौजूदा सुरक्षा स्थिति को देखते हुए, हम आपको सूचित करना चाहते हैं कि आईवीएसी जेएफपी ढाका आज अपराह्न दो बजे बंद कर दिया जाएगा। आईवीएसी ने कहाकि बुधवार को आवेदन जमा करने के लिए निर्धारित 'अपॉइंटमेंट स्लॉट' वाले सभी आवेदकों के 'अपॉइंटमेंट' बाद की तारीख के लिए पुनर्निर्धारित किए जाएंगे। इससे पहले दिल्ली में विदेश मंत्रालय ने बांग्लादेश के उच्चायुक्त रियाज हमीदुल्लाह को तलब किया और कुछ चरमपंथी तत्वों द्वारा ढाका स्थित भारतीय मिशन के आसपास सुरक्षा संकट पैदा करने की साजिश के ऐलान को लेकर अपनी गंभीर चिंता जताई।

विदेश मंत्रालय ने कहाकि हम अंतरिम सरकार से अपेक्षा करते हैं कि वह बांग्लादेश में स्थित मिशन और कार्यालयों की अपने कूटनीतिक दायित्वों के अनुरूप सुरक्षा सुनिश्चित करे। बयान में कहा गया कि उच्चायुक्त को बांग्लादेश में बिगड़ते सुरक्षा माहौल को लेकर भारत की गंभीर चिंताओं से अवगत कराया गया।

न्यूज़ ब्रीफ

सुप्रीम कोर्ट में जजों का सीजेआई ने किया स्वागत

नई दिल्ली। देश के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने 2025 में सुप्रीम कोर्ट में नियुक्त सात न्यायाधीशों का बुधवार को स्वागत किया। उन्होंने कहा कति 'जब वह इन न्यायाधीशों से बात करते हैं, तो उन्हें उनके कानून की गहन समझ, संवैधानिक मूल्यों के प्रति निष्ठा और संस्था तथा आम आदमी के हित के प्रति उनकी प्रतिबद्धता स्पष्ट रूप से दिखाई देती है।' सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन द्वारा आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए सीजेआई ने कहा कि 'मैं आम तौर पर अदालत को एक मेहराबदार संरचना के रूप में देखता हूं। हम सभी न्यायाधीश, अलग-अलग हाथों और इतिहासों से तराशे गए विशिष्ट पत्थरों की तरह हैं।

पांच विधायकों के खिलाफ अयोग्यता याचिकाएं खारिज

हैदराबाद। तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद कुमार ने बुधवार को सत्तारूढ़ कांग्रेस में शामिल होने के आरोपों का सामना कर रहे भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के 10 में से पांच विधायकों के खिलाफ दायर अयोग्यता याचिकाओं को खारिज कर दिया। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव ने कहा कि वे फैसले को अदालत में चुनौती देंगे। मामले में विधानसभा अध्यक्ष ने 10 विधायकों को नोटिस जारी किया था।

लुधियाना जेल में हिंसक झड़प मामले में 24 कैदियों के खिलाफ केस

लुधियाना। पंजाब के लुधियाना स्थित केंद्रीय कारागार में हुई हिंसक झड़प मामले में पुलिस ने बुधवार को 24 कैदियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। कारागार में मंगलवार को कैदियों के बीच हिंसक झड़प हो गई थी। लुधियाना पुलिस आयुक्त स्वपन शर्मा ने बताया कि कैदियों के बीच झगड़ा शांत कराने की कोशिश में जेल अधीक्षक कुलवंत सिद्धू भी घायल हो गए थे। सूत्रों ने अनुसार, पंजाब के जेल मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर ने मामले का संज्ञान लेकर अधिकारियों से विस्तृत रिपोर्ट तलब की।

देश के 1,731 रेलवे स्टेशन और 11 हजार 953 कोच में लगे सीसीटीवी

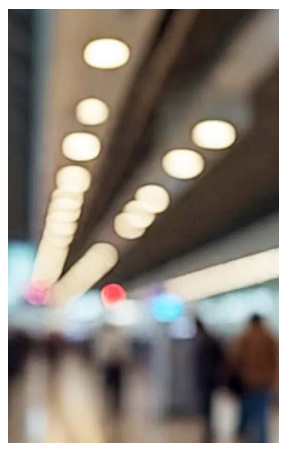

एजेंसी । नई दिल्ली

रेल मंत्रालय ने संसद में जानकारी दी है कि यात्रियों की सुरक्षा को और मजबूत करने के लिए रेलवे स्टेशनों और कोचों में सीसीटीवी कैमरों का तेजी से विस्तार किया जा रहा है। अब तक देश के 1,731 रेलवे स्टेशनों और 11,953 कोचों में सीसीटीवी कैमरे लगाए जा चुके हैं। ये सभी कैमरे कैपिटल खर्च के तहत स्थापित किए गए हैं और रेलवे की निगरानी व्यवस्था को सशक्त बनाने में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

देश के सबसे व्यस्त स्टेशनों में शामिल नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा के मद्देनज़र एंट्री-एग्जिट प्वाइंट, फुट ओवरब्रिज, प्लेटफॉर्म, वेटिंग हॉल और टिकट काउंटर जैसे प्रमुख स्थानों पर पहले से ही सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे। इसके अलावा, 15 फरवरी 2025 के बाद स्टेशन परिसर में विकसित नए क्षेत्रों को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त कैमरे भी लगाए गए हैं। वर्तमान में नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर कुल 250 सीसीटीवी कैमरे सक्रिय हैं, जिससे यात्रियों की सुरक्षा व्यवस्था और अधिक मजबूत हुई है।

'आईएनएएस 335' भारतीय नौसेना में शामिल

पणजी। नौसेना ने बुधवार को नौसेना प्रमुख की उपस्थिति में आईएनएस हंसा नौसैनिक अड्डे पर पनडुब्बी रोधी एमएच-60आर हेलीकॉप्टरों के दूसरे स्क्वाड्रन आईएनएएस 335 'ओस्प्रे' को सेवा में शामिल किया। इससे पहले स्क्वाड्रन को औपचारिक सलामी दी गई। कार्यक्रम के दौरान अपने संबोधन में नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने कहा कि बढ़ते राष्ट्रीय समुद्री हितों की सुरक्षा के लिए समुद्री सुरक्षा को मजबूत करना आवश्यक है। भारत की समुद्री शक्ति के बारे में बात करते हुए त्रिपाठी ने कहा कि भारतीय नौसेना 15 एमक्यू9बी सी गार्डियन आरपीए (रेडियो-ऑपरेशनल मिसाइल सिस्टम) के अधिग्रहण की दिशा में प्रगति कर रही है।

दिल्ली चुनावों में प्रचार पर पैसा लुटाने में कांग्रेस ने बीजेपी को पछाड़ा

एडीआर रिपोर्ट

एजेंसी । नई दिल्ली

इस साल हुए दिल्ली विधानसभा चुनावों में कांग्रेस ने रपार्टी प्रचारर और सोशल मीडिया कैंपेन पर भाजापा से अधिक पैसे खर्च किए, लेकिन उम्मीदवारों पर खर्च के मामले में पीछे रही। यह जानकारी एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स (एडीआर) की रिपोर्ट में सामने आई है। एडीआर की रिपोर्ट के मुताबिक, भारत के चुनाव आयोग के पास पार्टियों द्वारा दायर चुनाव खर्च रिपोर्ट के अनुसार दिल्ली चुनावों के लिए भाजपा की ओर से 57.65 करोड़ रुपये खर्च किए गए, जबकि कांग्रेस का खर्च 46.19 करोड़ रुपये था।। दिल्ली विधानसभा चुनाव 2025 के लिए भाजपा ने जहां 88.7 करोड़ रुपये फंड के माध्यम से जुटाए, वहीं कांग्रेस को चंदे में 64.3 करोड़ रुपये मिले।

कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर जमकर लुटाए पैसे

कुल 70 विधानसभा सीटों के चुनाव में भाजपा 48 सीटों के साथ विजयी रही, जबकि कांग्रेस एक भी सीट नहीं जीत पाई। आम आदमी पार्टी ने 22 सीटें जीतीं। एडीआर के विश्लेषण के अनुसार, आप ने पार्टी प्रचार पर कुल 12.12 करोड़ रुपये और उम्मीदवारों पर 2.4 करोड़ रुपये खर्च किए, जिससे कुल खर्च 14.5 करोड़ रुपये हुआ। उसने सोशल मीडिया पर लगभग 3 करोड़ रुपये खर्च किए, जबकि भाजपा ने सिर्फ 5.26 लाख रुपये और कांग्रेस ने सबसे अधिक 5.95 करोड़ रुपये खर्च किए। इस चुनाव में भाजपा का कुल खर्च 57.65 करोड़ रुपये रहा, वहीं कांग्रेस ने 46.19 करोड़ रुपये खर्च किए और आप की ओर से 14.5 करोड़ रुपये व्यय किया गया। भाजपा ने पार्टी प्रचार पर 39.14 करोड़ रुपये खर्च किए, जबकि कांग्रेस ने भाजपा को पीछे छोड़ते हुए 40.13 करोड़ रुपये लगाए लेकिन आप की ओर से 12.12 करोड़ रुपये खर्च किए गए।

नौ पार्टियों के खर्च का ब्यौरा

अब तक नौ पार्टियों द्वारा किए गए घोषणाओं के अनुसार उनका कुल खर्च 120.3 करोड़ रुपये था। जिसमें उम्मीदवारों पर 27 करोड़ रुपये भी शामिल हैं। भाजपा, कांग्रेस और आप के अलावा, बीएसपी एकमात्र ऐसी पार्टी थी जिसने 1 करोड़ रुपये से ज़्यादा (1.8 करोड़ रुपये) खर्च किए। चुनाव के दौरान सभी पार्टियों द्वारा जमा किया गया कुल फंड 170.68 करोड़ रुपये था।

'लोकतंत्र का गला घोंटने की साजिश'

संजय सिंह ने उठाया लद्दाख आंदोलनकारियों की रिहाई का मुद्दा

एजेंसी । नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने बुधवार को राज्यसभा के शून्यकाल में लद्दाख में जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक की गिरफ्तारी का मुद्दा उठाया। उन्होंने इसे लोकतांत्रिक असहमति के दमन का मामला बताते हुए केंद्र सरकार पर संविधान और नागरिक स्वतंत्रताओं को कुचलने का गंभीर आरोप लगाया।

संजय सिंह ने कहा कि शांतिपूर्ण आंदोलन करने वालों पर राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (NSA) लगाकर जेल भेजा जाना बेहद चिंताजनक है। उनका आरोप था कि सरकार इस तरह की कार्रवाइयों से देश को अघोषित आपातकाल की ओर धकेल रही है, जहां सवाल पूछना अपराध बनता जा रहा है।

सोनम वांगचुक का योगदान रेखांकित

सदन में बोलते हुए संजय सिंह ने कहा कि सोनम वांगचुक कोई अपराधी नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित जलवायु कार्यकर्ता और शिक्षाविद हैं। उन्होंने शिक्षा, सतत विकास और हिमालयी क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण के लिए ऐतिहासिक कार्य किए हैं और लद्दाख को वैश्विक पहचान दिलाई है। संजय सिंह ने आरोप लगाया कि सोनम वांगचुक ने हमेशा अहिंसक और संवैधानिक तरीके से अपनी बात रखी, इसके बावजूद भाजपा सरकार ने उनकी आवाज दबाने के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा कानून का दुरुपयोग किया।

लद्दाख आंदोलन में जान-माल का नुकसान

उन्होंने बताया कि 24 सितंबर 2025 को लद्दाख में राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची की मांग को लेकर हुए प्रदर्शनों के दौरान चार निर्दोष नागरिकों की मौत हुई, 70 से अधिक लोग घायल हुए और 70 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया गया। इनमें कई लोगों पर NSA लगाया गया और आज भी 10 से अधिक लोग जेल में बंद हैं।

संवैधानिक अधिकारों के उल्लंघन का आरोप

उन्होंने सोनम वांगचुक की पत्नी द्वारा जताई गई आशंकाओं का हवाला देते हुए कहा कि जेल में उनकी जान को खतरा, लगातार निगरानी और डर का माहौल गंभीर चिंता का विषय है। संजय सिंह ने इसे संविधान के अनुच्छेद 14, 19 और 21 का खुला उल्लंघन बताया। संजय सिंह ने सदन के माध्यम से मांग की कि सोनम वांगचुक को तुरंत रिहा किया जाए, उनके खिलाफ लगाए गए राष्ट्रीय सुरक्षा कानून को वापस लिया जाए।

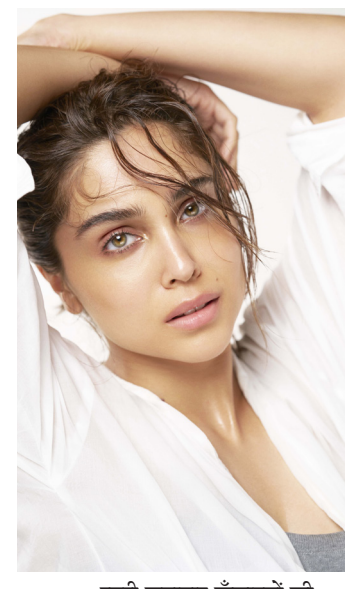

शरवरी के पास युवा अभिनेताओं में सबसे बेहतरीन फिल्मों की सूची है

शरवरी लगातार ऊँचाइयों की ओर बढ़ रही हैं और यह साबित कर रही हैं कि वह अपनी पीढ़ी की बेहतरीन अभिनेत्रियों में से एक हैं। उनकी आने वाली फिल्मों की सूची किसी सपने से कम नहीं है और वह तेज़ी से हर बड़े फिल्मकार की पसंद बनती जा रही हैं।

शरवरी की जबरदस्त फिल्म लाइन-अप में उन्हें देश के शीर्ष फिल्मकारों के साथ काम करते हुए देखा जाएगा। वह आदित्य चोपड़ा की फिल्म 'अल्फा' में नजर आएंगी, जो वाईआरएफ स्पाई यूनिवर्स की बहुप्रतीक्षित एक्शन एंटरटेनर है और जिसमें उनका दमदार, निडर और बेखौफ अंदाज़ देखने को मिलेगा। इसके अलावा, सूरज बड़जात्या ने भी अपनी अगली फिल्म के लिए शारवरी को नायिका के रूप में चुना है, जिसमें आयुष्मान खुराना मुख्य भूमिका में होंगे।

प्रसिद्ध निर्देशक इम्तियाज़ अली ने भी अपनी आने वाली रोमांटिक फिल्म के लिए शरवरी को चुना है, जिसमें वेदांग रैना और दिलजीत दोसांझ भी नजर आएंगे। इसके साथ ही शरवरी यश राज फिल्म्स के बैनर तले युवा और चर्चित निर्देशक अली अब्बास ज़फर की अगली फिल्म की मुख्य भूमिका में दिखाई देंगी।

इस फिल्म में उनकी जोड़ी 'सैयारा' से लोकप्रिय हुए अहान पांडे के साथ बनाई गई है, जो युवा दर्शकों के लिए सबसे रोमांचक जोड़ियों में से एक मानी जा रही है। भारत के शीर्ष फिल्म ट्रेड एनालिस्ट कोमल नाहटा कहते हैं, "यह अच्छी बात है कि इंडस्ट्री स्थापित सितारों और सुपरस्टार्स के साथ-साथ प्रतिभाशाली युवा कलाकारों पर भी दांव लगा रही है, क्योंकि यही युवा आगे चलकर भारतीय सिनेमा का भविष्य गढ़ेंगे।

शरवरी ऐसी ही एक युवा अभिनेत्री हैं, जिनमें अपार संभावनाएं दिखती हैं। उनकी कुछ फिल्मों में की गई परफॉर्मेंस से साफ जाहिर होता है कि वह बड़ी सफलता हासिल कर सकती हैं। उनकी 2026 की फिल्म सूची मुझे बेहद प्रभावशाली लगी—वाईआरएफ की दो फिल्में अल्फा और अली अब्बास ज़फर की अगली फिल्म, जिसमें उनकी जोड़ी अहान पांडे के साथ है; इम्तियाज़ अली की अगली फिल्म; और सूरज बड़जात्या की बहुप्रतीक्षित निर्देशित फिल्म।

इसका मतलब है कि देश के शीर्ष फिल्मकार भी उन पर भरोसा जता रहे हैं, क्योंकि ये सभी प्रोजेक्ट मजबूत अभिनय की मांग करते हैं। इंडस्ट्री में हो रही चर्चाओं से मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूँ कि निर्माता और निर्देशक उन्हें आज की तारीख में देश की सबसे प्रतिभाशाली युवा अभिनेत्रियों में से एक मानते हैं। मुझे उम्मीद है कि 2026 उनके लिए बेहद सफल साबित होगा और उन्हें और भी बड़े व बेहतर प्रोजेक्ट्स मिलेंगे।"

भारत-इथियोपिया के रिश्ते और हुए मजबूत

आठ समझौतों पर हस्ताक्षर

एजेंसी । अदीस अबाबा

भारत और अफ्रीकी देश इथियोपिया के बीच ऐतिहासिक संबंधों ने बुधवार को नई ऊंचाई छू ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की और इथियोपिया के प्रधानमंत्री अबिय अहमद अली के बीच व्यापक वार्ता के बाद दोनों देशों ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को रणनीतिक साझेदारी' के स्तर तक बढ़ाने का निर्णय लिया। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच बीच आठ अहम समझौते और करार हुए।

भारत-इथियोपिया साझेदारी विकास पर केंद्रित

इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि इथियोपिया के साथ कई समझौतों पर हस्ताक्षर किया जाना विकास और जन-केंद्रित विकास पर आधारित द्विपक्षीय साझेदारी को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण" कदम है। एक्स पर मोदी ने लिखा, ये हमारी लंबी समय से चली आ रही और भरोसेमंद साझेदारी को आगे बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। उन्होंने कहा कि शासन, शांति स्थापना से लेकर डिजिटल क्षमता और शिक्षा तक, ध्यान लोगों को सशक्त बनाने पर बना हुआ है। उन्होंने कहा, ज्ञान, कौशल और नवाचार पर जोर हमारे इस साझा विश्वास को दर्शाता है कि हम युवाओं को भविष्य को आकार देने वाला मानते हैं। स्वास्थ्य क्षेत्र में सहयोग मानव गरिमा और सबसे कमजोर वर्ग की देखभाल के प्रति गहरी प्रतिबद्धता को दिखाता है।

कोने-कोने से...

पुणे महानगरपालिका चुनाव में आप की एंट्री

पुणे। महाराष्ट्र नगर निगम चुनाव के लिए अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी (AAP) भी तैयार हो गई है। आप पुणे में भी महानगरपालिका का चुनाव लड़ेगी। इसके लिए पार्टी ने पूरी तरह से तैयारी कर ली है। AAP ने पुणे नगर निगम चुनाव के लिए उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी की है। संभावना है कि AAP पुणे नगर निगम की सभी सीटों पर उम्मीदवार उतारेगी। प्रभागवार लिस्ट जारी करते हुए आम आदमी पार्टी ने 25 उम्मीदवारों के नाम का ऐलान किया है। प्रभाग 3 (अ) से शितल कांडेलकर, प्रभाग 5 (अ) से संतोश काले, प्रभाग 6(अ) से श्रद्धा शेट्टी, प्रभाग 7 (ड) से शंकर थोरात को टिकट दिया गया है।

भाजपा में टिकट के दावेदारों की भारी भीड़

नागपुर। महानगरपालिका चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी में टिकट के दावेदारों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी है। बड़ी संख्या में इच्छुक उम्मीदवारों के पहुंचने से पार्टी कार्यालय में अव्यवस्था की स्थिति बन गई, जिसके चलते साक्षात्कार कार्यक्रम के समय में बदलाव करना पड़ा।

नागपुर महानगरपालिका चुनाव के लिए भाजपा द्वारा उम्मीदवार चयन प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। मंगलवार से पार्टी कार्यालय में साक्षात्कार का दौर शुरू हुआ, लेकिन पहले ही दिन यह साफ हो गया कि टिकट के लिए पार्टी में जबरदस्त प्रतिस्पर्धा है। बड़ी संख्या में दावेदार साक्षात्कार के लिए पहुंचे, जिससे कार्यालय परिसर में भीड़ बढ़ गई। स्थिति को देखते हुए भाजपा ने साक्षात्कार कार्यक्रम में बदलाव करने का निर्णय लिया। पहले यह साक्षात्कार 18 दिसंबर को समाप्त होने थे, लेकिन अब इन्हें 20 दिसंबर तक बढ़ा दिया गया है। संशोधित कार्यक्रम के तहत अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों के वार्डों के इच्छुक उम्मीदवारों के साक्षात्कार तय तिथियों में लिए जाएंगे।

भाजपा-शिवसेना नेताओं की बंद कमरे में बैठक

छत्रपति संभाजीनगर : छत्रपति संभाजीनगर आगामी 15 जनवरी को होने जा रहे महानगरपालिका चुनाव में संभाजीनगर में भाजपा और शिवसेना के बीच गठबंधन को लेकर बातचीत तेज हो गई है। दोनों दलों ने संभावित उम्मीदवारों के साक्षात्कार की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके चलते शहर की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। सूत्रों के अनुसार दोनों दलों के वरिष्ठ नेता लगातार बैठकें कर रहे हैं। गठबंधन के तहत किस दल को कितनी सीटें मिलेंगी, इसे लेकर मंथन चल रहा है। साक्षात्कार के माध्यम से उम्मीदवारों की क्षमता, जनसंपर्क और संगठनात्मक मजबूती का आकलन किया जा रहा है।

जन जा

घोषणाएं बहुत होती हैं, लेकिन ज़मीन पर काम दिखना चाहिए। जो उम्मीदवार इलाके की रोज़मर्रा की समस्याएं सुलझाएगा, वही मेरा वोट पाएगा।

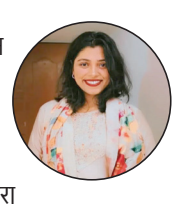

– ख्याति शुक्ला, मुंबई

टैक्स हम देते हैं, लेकिन काम समय पर नहीं होता। इस चुनाव में मैं ऐसे प्रतिनिधि को चुनूंगा जो जवाबदेह हो और जनता से सीधे संवाद करे।

– आयुष दुबे, मुंबई

हमें भेजें

अगर आप भी अपने विचार हमें भेजना चाहते हैं तो 8356804318 इस नंबर पर व्हाट्सप्प करें।

विश्लेषण

वसई-विरार महानगरपालिका

ठाकुर की वापसी या बेदखली!

11.23 लाख मतदाता तय करेंगे 115 नगरसेवक

ओपी यादव | विरार

वसई विरार नगर निगम चुनाव के नतीजे घोषित होने के बाद शहर का राजनीतिक माहौल गरमा गया है। वसई–विरार महानगरपालिका चुनाव को लेकर शिवसेना और भाजपा ने साथ मिलकर चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। नालासोपारा स्थित भाजपा कार्यालय में हुई संयुक्त बैठक में यह निर्णय लिया गया। विधायक राजन नाईक ने बताया कि दो दिनों में सीट बंटवारे पर अंतिम फैसला होगा। पिछले साढ़े तीन दशकों से वसई-विरार नगर निगम में बहुजन विकास अघाड़ी सत्ता में रही है, जबकि 'बाविया' पार्टी के भी विधायक रहे हैं। हालांकि, पिछले साल हुए विधायक चुनावों में वसई-विरार में 'बाविया' पार्टी को हार का सामना करना पड़ा। इसलिए, सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या 'बाविया' पार्टी वसई-विरार नगर निगम में अपना दबदबा कायम रख पाएगी या इस चुनाव में सत्ता परिवर्तन होगा।

मनपा क्षेत्र में कुल 29 वार्ड

पांच साल के इंतजार के बाद, वसई विरार मनपा के निकाय चुनाव होने जा रहे हैं। मनपा क्षेत्र में कुल 29 वार्ड हैं। इस बार 28 वार्ड में से हर वार्ड में 4 नगरसेवक चुने जाने हैं। जबकि 29वें वार्ड से तीन नगरसेवक चुने जाने हैं। यह चुनाव कुल 115 सीटों के लिए होंगे। इसके लिए सभी राजनीतिक पार्टियों ने काम करना शुरू कर दिया है। मनपा प्रशासन ने भी चुनाव की तैयारियां जोरों पर शुरू कर दी हैं।

11,23,637 मतदाता

इस बार 11,23,637 मतदाता 115 नगरसेवकों का भविष्य तय करेंगे। इनमें पुरुष 6,01,741, महिलाएं 5,25,750 और अन्य 146 मतदाता शामिल हैं। इस बार 29 प्रभाग बनाए गए हैं जिनमें से 28 प्रभागों से चार–चार नगरसेवक और 29वें प्रभाग से तीन नगरसेवक चुने जाएंगे। नालासोपारा में सबसे अधिक मतदाता हैं। इस चुनाव में नालासोपारा निर्वाचन क्षेत्र में 6 लाख 56 हजार 198 मतदाता, वसई में 3 लाख 12 हजार 266 मतदाता हैं।

"हमारी पूरी तैयारी है। यह चुनाव हम पूरी ताकत से लड़ेंगे, और जीत हासिल करेंगे। इस बार भी मनपा में बविआ का महापौर बैठेगा।

-हितेंद्र ठाकुर

बहुजन विकास आघाडी अध्यक्ष

"महायुति पार्टी वसई विरार नगर निगम चुनाव के लिए तैयार है। श्रमजीवी संगठन, आरपीएआई और कृषि सेना जैसी सहयोगी पार्टियों के साथ हमारी बातचीत जारी है। इस चुनाव में महायुति का झंडा नगर निगम पर लहराएगा और हम सौ से अधिक सीटें जीतेंगे।

-राजन नाइक

भाजपा के चुनाव प्रभारी और विधायक

नगरसेवकों की वर्तमान स्थिति

पिछले चुनाव में बाविया के 108, शिवसेना के 5, भाजपा का 1 और एमएनएस का 1 नगरसेवक था। वर्तमान में शिवसेना के पांच नगरसेवकों में से दो शिंदे गुट, दो उद्धव ठाकरे गुट और एक तटस्थ है। वहीं बाविया के 108 नगरसेवकों में से नौ भाजपा में शामिल हो गए, दो शिंदे गुट में चले गए, जबकि आठ नगरसेवकों का निधन हो चुका है।

1,400 पोलिंग बूथों की हुई पहचान

प्रशासन ने चुनाव के लिए कुल 1,400 पोलिंग बूथों की पहचान कर ली है। ईवीएम की सुरक्षा को लेकर सभी तय स्थानों पर स्ट्रॉन्ग रूम तैयार किए जा चुके हैं। इसके साथ ही चुनाव ड्यूटी में तैनात किए जाने वाले कर्मचारियों की सूची भी अंतिम रूप ले चुकी है। मतदान में इस्तेमाल होने वाली सभी जरूरी सामग्री की व्यवस्था पूरी कर ली गई है।

हितेंद्र ठाकुर का रहा है राज

वसई विरार मनपा की स्थापना के बाद से इस मनपा पर स्थानीय सत्ताधारी बहुजन विकास आधाड़ी का कब्जा रहा है। वर्ष 2015 में हुए निकाय चुनाव में भी 115 में से 107 सीटों पर बविआ ने जीत हासिल कर एकछत्र राज किया था। लेकिन, वर्ष 2020 में मनपा का कार्यकाल समाप्त होने के बाद कोरोना संक्रमण और प्रशासनिक कारणों से यह निकाय अधर में था। 2024 में हुए विधानसभा चुनाव में बहुजन विकास आघाड़ी को करारी हार का सामना करना पड़ा। बविआ के कब्जे वाली तीनों विधानसभा सीट में से दो पर भाजपा ने जबकि एक पर शिंदे गुट ने जीत हासिल कर लिया था। ऐसे में यह निकाय बविआ के अस्तित्व का चुनाव भी माना जा रहा है। जानकारों का तो यहां तक कहना है कि, इस चुनाव को जीतने के लिए बविआ अपनी पूरी ताकत से यह चुनाव लड़ेगी, क्योंकि, यदि

डबल वोटर पर सख्त नजर, 52 हजार नाम सामने आए

चुनाव आयोग के निर्देशों के अनुसार चुनाव पूरी तरह पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराए जाएंगे। वसई–विरार महानगरपालिका क्षेत्र में लगाए गए सॉफ्टवेयर की जांच के दौरान करीब 52 हजार डबल वोटर के नाम सामने आए हैं। ऐसे मामलों में संबंधित मतदाताओं से फॉर्म भरवाकर यह तय किया जाएगा कि वे किस मतदान केंद्र पर वोट डालेंगे। यदि कोई मतदाता दो बार मतदान करने की कोशिश करता है, तो उसके खिलाफ कानून के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

सभी व्यवस्थाएं पूरी : आयुक्त

वसई–विरार नगर निगम के आयुक्त मनोज कुमार सूर्यवंशी ने बताया कि चुनाव से जुड़ी सभी व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने कहा कि ईवीएम, मतदाता सूची और अन्य आवश्यक सामग्री उपलब्ध करा दी गई है, वहीं मतदान केंद्रों और मतगणना केंद्रों को लेकर निर्णय भी अंतिम रूप ले चुके हैं। आयुक्त सूर्यवंशी ने कहा कि प्रशासन चुनाव के लिए पूरी तरह तैयार है। पोलिंग स्टेशनों को इस तरह तैयार किया जा रहा है कि मतदाताओं को किसी तरह की असुविधा न हो और उन्हें सकारात्मक अनुभव मिले। उन्होंने बताया कि अब चुनाव आयोग की औपचारिक घोषणा का इंतजार किया जा रहा है।

मुलुंड उपनगर

एक अनार, सौ बीमार

धीरज सिंह | मुंबई

मुंबई में बृहन्मुंबई महानगरपालिका (मनपा) चुनाव की तिथि घोषित होते ही सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। अलग-अलग दलों में नगरसेवक बनने के इच्छुक उम्मीदवार मैदान में उतरने की तैयारी में जुट गए हैं। कई दावेदारों को अपने आकाओं की राजनीतिक ताकत और सामाजिक कार्यों पर भरोसा है, तो कुछ ऐसे भी हैं जो टिकट मिले या न मिले, चुनाव लड़ने का मन बना चुके हैं। इस बार सबसे ज्यादा चुनावी इच्छुक उम्मीदवार भारतीय जनता पार्टी में दिखाई दे रहे हैं। एक समय था जब भाजपा को उम्मीदवार ढूंढने में मुश्किल होती थी, लेकिन अब हालात यह हैं कि एक-एक वार्ड में दर्जन भर से ज्यादा दावेदार टिकट की आस लगाए बैठे हैं। पार्टी के भीतर 'एक अनार, सौ बीमार' जैसी स्थिति बनती नजर आ रही है। मुलुंड उपनगर भाजपा का मजबूत गढ़ माना जाता है। पिछले चुनावों में यहां के छह वार्डों में भाजपा ने जीत दर्ज की थी। कभी मराठी भाषी मतदाताओं की मजबूत पकड़ वाली शिवसेना का प्रभाव यहां कम हुआ है, जबकि गुजराती वोटों के एकतरफा रुझान का फायदा लगातार भाजपा को मिलता रहा है। साथ ही सिख, उत्तर भारतीय, दक्षिण भारतीय और अल्पसंख्यक मतदाता भी यहां निर्णायक भूमिका में रहते हैं।

वार्ड 103: महिला सीट पर सबसे ज्यादा होड़

वार्ड 103 इस बार ओपन महिला सीट होने से सबसे ज्यादा चर्चा में है। पहले यहां से मनोज कोटक निर्वाचित हुए थे, लेकिन आरक्षण बदलने के बाद कोटक परिवार ने अभी अपने पत्ते नहीं खोले हैं। इस सीट पर हेतल जोवनपुत्रा खुद को मजबूत दावेदार मान रही हैं। वे लंबे समय से भाजपा में सक्रिय हैं और संगठन में उनकी अच्छी पकड़ बताई जा रही है। इसी वार्ड से एडवोकेट दलजीत मान कौर भी टिकट की प्रबल दावेदार हैं। सिख समुदाय में उनकी अच्छी पैठ है और वे शिक्षित सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में जानी जाती हैं। इसके अलावा सौ. पूजा सिन्नारी, सौ. रोशनी राय और सौ. डॉ. धनश्री वाघ भी खुद को मजबूत उम्मीदवार मान रही हैं। इनके साथ दर्शना राठौड़ और सुनिता श्रेयश्वर भी दौड़ में शामिल हैं।

वार्ड 104: सिटिंग नगरसेवक पर सवाल

वार्ड 104 इस बार ओपन पुरुष सीट है। यहां से सिटिंग नगरसेवक प्रकाश गंगाधरे फिर दावेदारी कर रहे हैं, लेकिन स्थानीय कार्यकर्ताओं का एक वर्ग नए चेहरे की मांग कर रहा है। संगठन के भीतर उनके कार्यकाल और विकास कार्यों को लेकर मिली–जुली राय सामने आ रही है। वहीं मनीष तिवारी, विरल शाह, के. राजकुमार समेत कई पुराने कार्यकर्ता टिकट की उम्मीद लगाए बैठे हैं।

अन्य वार्डों में भी लंबी कतार

वार्ड 105 में नम्रता वैती, लक्ष्मी पाटिल, रश्मि जाधव टिकट की इच्छुक हैं। वार्ड 106 ओपन पुरुष के बाद भी यहां प्रभाकर शिंदे, रवि नायक के नाम सामने आए हैं। वार्ड 107 पुरुष ओपन से नील किरीट सौमैया, जिगर चंदे, मनीष जोशी आदि प्रबल दावेदार हैं। वार्ड 108 से पूनम हड़कर, दीपिका घाग, शोभा माली, योगिता पाटिल सक्रिय रूप से मतदाताओं से संपर्क कर रही हैं। कुल मिलाकर मुलुंड के लगभग हर वार्ड में भाजपा के भीतर टिकट को लेकर जबरदस्त प्रतिस्पर्धा देखने को मिल रही है।

निष्कर्ष : तीन खेमों में बंटी स्थानीय भाजपा

मुलुंड भाजपा इस चुनाव में तीन प्रमुख खेमों में बंटी नजर आ रही है—पूर्व सांसद किरीट सोमैया, पूर्व सांसद मनोज कोटक और विधायक मिहिर कोटेचा के समर्थक। माना जा रहा है कि टिकट बंटवारे में जिसकी पकड़ मजबूत होगी, वही अपने समर्थकों को आगे बढ़ाने में सफल होगा। ऐसे में आने वाले दिनों में भाजपा के भीतर समीकरण और दिलचस्प होने वाले हैं।

आंकड़ों में इलेक्शन

अर्बन वोटर्स की 'बॉस' है बीजेपी

2009–2013	2015–2018
0.24 करोड़ वोट 26 नगर निगमों के चुनावों में	1.20 करोड़ वोट 26 नगर निगमों के चुनावों में
11.59% वोट शेयर	31.30% वोट शेयर

15 जनवरी 2026 को होने वाले इन चुनावों से पहले जो आंकड़े दो बजे दोपहर के फैक्ट टीम को मिले हैं, वे विपक्षी दलों के लिए चिंता बढ़ाने वाले हैं। आंकड़े बताते हैं कि मुंबई, पुणे और नागपुर जैसे बड़े शहरों में भारतीय जनता पार्टी का प्रभाव तेजी से बढ़ा है, जबकि कांग्रेस, शिवसेना और एनसीपी पीछे छूटती नजर आ रही हैं।

भाजपा के वोट शेयर में उछाल

पिछले दो नगर निगम चुनावों की तुलना करें तो भाजपा की शहरी पकड़ लगातार मजबूत हुई है। फरवरी 2015 से दिसंबर 2018 के बीच हुए 26 नगर निगम चुनावों में भाजपा को करीब 1.20 करोड़ वोट मिले, जो 31.30 प्रतिशत वोट शेयर रहा। इसके मुकाबले 2009 से 2013 के बीच यह आंकड़ा महज 0.24 करोड़ वोट और 11.59 प्रतिशत था।

शहर बने भाजपा का कोर बेस

हालिया विधानसभा चुनावों में भाजपा ने 288 में से 132 सीटें जीतीं, हालांकि उसका वोट शेयर 26.96 प्रतिशत रहा। विश्लेषकों का मानना है कि नगर निगम चुनाव पूरी तरह शहरी होते हैं और शहर भाजपा का मजबूत गढ़ बन चुके हैं, जहां उसका संगठन और वोट बैंक ज्यादा एकजुट है।

कांग्रेस की चुनौती

दूसरी ओर कांग्रेस शहरी क्षेत्रों में अपनी जमीन बचाने के लिए संघर्ष करती दिख रही है। वोटों की कुल संख्या में हल्का इजाफा होने के बावजूद उसका वोट शेयर 20.45 प्रतिशत से घटकर 15.53 प्रतिशत रह गया है, जिससे भाजपा के मुकाबले उसकी स्थिति कमजोर हुई है।

शिवसेना-एनसीपी का कमजोर असर

अविभाजित शिवसेना के वोट बढ़े जरूर, लेकिन भाजपा को चुनौती देने के लिए वह नाकाफी साबित हुई। वहीं एनसीपी के वोटों की संख्या बढ़ने के बावजूद उसका वोट शेयर घटा है। दोनों दलों का शहरी इलाकों में प्रभाव पहले जैसा नहीं रहा। शिवसेना और एनसीपी के दो गुटों में बंटने और उनके एक–एक गुट के भाजपा के साथ जाने से राज्य की सियासत और बदली है। विपक्षी एकजुटता की कमी का सीधा फायदा भाजपा को मिल सकता है, जिससे आगामी नगर निगम चुनावों में उसकी स्थिति और मजबूत होने की संभावना जताई जा रही है।